■ श्रावण शुक्ल - 6 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 8 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 30-07-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 आतंकवाद का खेल खेलने वाले पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलना बंद हो : तृणमूल कांग्रेस

6 बाघों के सबसे बड़े घर में सुरक्षा बनी चुनौती

7 मुझे कभी अहसास नहीं हुआ कि मैं आउट साइडर हूं : श्वेता त्रिपाठी

ऑपरेशन सिंदूर विषय पर लोकसभा में चर्चा

कांग्रेस ने हमेशा राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ समझौता किया है : मोदी

कांग्रेस ने पीओके वापस लेने का मौका छोड़ा : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सिंधु जल संधि और मुंबई में 2008 में हुए आतंकी हमलों का हवाला देते हुए कांग्रेस पर मंगलवार को करारा प्रहार किया तथा कहा कि देश की आजादी के बाद उसने (कांग्रेस ने) हमेशा राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ समझौता किया है।

मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को वापस लेने का मौका गंवा देने के आरोपों पर कहा, ''आज जो लोग पूछ रहे हैं कि पीओके को वापस क्यों नहीं लिया, उन्हें सबसे पहले इस सवाल का जवाब देना होगा कि किसकी सरकार ने इस क्षेत्र पर पाकिस्तान को कब्जा करने का अवसर दिया था?''

मोदी ने कहा, ''वर्ष 1971 में पाकिस्तान के 93 हजार फौजी हमारे पास बंदी थे। हजारों किलोमीटर इलाका हमारी सेना ने कब्जा कर लिया था। हम विजय की स्थिति में थे। उस दौरान यदि थोड़ा सा भी 'विजन' होता, समझ होती तो पीओके वापस लेने का निर्णय लिया जा सकता था। वह मौका था, जिसे छोड़ दिया गया।''

भारत के हितों को 'गिरवी' रखना कांग्रेस की पुरानी आदत

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''जवाब साफ है, जब भी मैं (जवाहरलाल) नेहरू जी की चर्चा करता हूं कांग्रेस और उसका पूरा 'इकोसिस्टम' बिलबिला जाता है।'' उन्होंने कहा कि भारत के हितों को ''गिरवी'' रख देना कांग्रेस की पुरानी आदत है और इसका सबसे बड़ा उदाहरण सिंधु जल समझौता है, जो नेहरू जी ने पाकिस्तान के साथ किया था। उन्होंने कहा, ''सिंधु जल समझौता, भारत की अस्मिता और स्वाभिमान के साथ किया गया बहुत बड़ा धोखा था। देश के एक बहुत बड़े हिस्से को जल संकट में धकेल दिया गया।''

नेहरू जी की 'डिप्लोमेसी' में किसान का कोई वजूद नहीं था

मोदी ने देश के प्रथम प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि इस समझौते के कारण देश बहुत पिछड़ गया, ''हमारे किसानों को खेती का नुकसान हुआ। नेहरू जी तो उस 'डिप्लोमेसी' को जानते थे, जिसमें किसान का कोई वजूद नहीं था।'' उन्होंने दावा किया कि नेहरू जी ने पाकिस्तान के कहने पर यह शर्त स्वीकार की थी कि बांध में जो गाद जमी होगी, उसकी सफाई नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि बाद में भी कांग्रेस की सरकारों ने नेहरू जी की इस गलती को सुधारा तक नहीं, लेकिन इस पुरानी गलती को अब सुधारा गया और ठोस निर्णय लिया गया।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''नेहरू जी के 'ब्लंडर' (सिंधु जल समझौता) को देश हित और किसान हित में अब निलंबित कर दिया गया है। भारत ने तय कर दिया है कि खून और पानी साथ-साथ नहीं बह सकते।'' उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास नेशनल सेक्युरिटी (राष्ट्रीय सुरक्षा) का 'विजन' न पहले था और न आज है और उसने ''हमेशा राष्ट्रीय सुरक्षा पर समझौता किया है।''

कांग्रेस का पाकिस्तान से प्रेम नहीं रुका

प्रधानमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान लोकसभा में विपक्षी दलों के सदस्यों की ओर से कूटनीतिक नाकामी का दावा किये जाने को लेकर कहा, ''आजकल कांग्रेस के जो लोग हमें 'डिप्लोमेसी' का पाठ पढ़ा रहे हैं, मैं उनकी डिप्लोमेसी याद दिलाना चाहता हूं।''

उन्होंने कहा कि 26 नवंबर 2008 को मुंबई में हुए आतंकी हमले के बाद भी कांग्रेस का पाकिस्तान से प्रेम नहीं रुका और हमले के कुछ हफ्ते के भीतर ही विदेशी दबाव में आकर कांग्रेस-नीत संप्रग सरकार ने पाकिस्तान के साथ बातचीत शुरू कर दी थी।

उन्होंने कहा कि तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने इस घटना के बाद एक भी (पाकिस्तानी) राजनयिक को भारत से बाहर निकालने की हिम्मत नहीं की और एक वीजा तक रद्द नहीं किया।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में घोषणा की

पहलगाम हमले को अंजाम देने वाले आतंकवादी मुठभेड़ में मारे गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को लोकसभा में घोषणा की कि पहलगाम आतंकवादी घटना को अंजाम देने वाले तीनों आतंकवादी सोमवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में मारे गये।

शाह ने लोक सभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा कि ऑपरेशन महादेव के दौरान कल पहलगाम में 26 निर्दोष पर्यटकों की हत्या करने वाले आतंकवादी सुलेमान उर्फ फैसल, अफगान और जिब्रान सैन्य बलों के साथ मुठभेड़ में मारे गये। उन्होंने बताया कि सुलेमान आतंकवादी संगठन लश्करे तैयबा का ए श्रेणी आतंकवादी और तथाकथित कमांडर था। अफगान और जिब्रान भी लश्करे तैयबा से जुड़े हुए एक श्रेणी के आतंकवादी थे।

उन्होंने बताया कि मारे गये तीनों आतंकवादियों के पहलगाम घटना में शामिल होने की पुष्टि इन्हें पनाह देने वालों से करायी गयी है। पहलगाम हमले में इस्तेमाल हथियारों से निकले खोखे की मिलान कर लिया गया है और इसकी पुष्टि हो गयी है कि इन आतंकवादियों के कब्जे से बरामद हथियार ही पहलगाम हमले में इस्तेमाल किये गये थे। शाह ने बताया कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने इन आतंकवादियों को पहलगाम घटना के बाद शरण और भोजन देने वालों को गिरफ्तार किया था। उनसे इन आतंकवादियों की पहचान करायी गयी है। इन आतंकवादियों के पास पाकिस्तान निर्मित चाकलेट बरामद की गयी थी।

फर्स्ट टेक

नए आयकर विधेयक में कर दरों में कोई बदलाव नहीं : आयकर विभाग

नई दिल्ली/भाषा। आयकर विभाग ने मंगलवार को कहा कि नए आयकर विधेयक में कर की किसी भी दर में बदलाव का प्रस्ताव नहीं है। नए आयकर विधेयक, 2025 में दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ (एलटीसीजी) पर कर दरों में बदलाव का प्रस्ताव होने की खबरों पर स्पष्टीकरण देते हुए विभाग ने कहा, ''यह (विधेयक) करों की किसी भी दर में बदलाव का प्रस्ताव नहीं करता है।'' आयकर विभाग ने कहा कि इस संबंध में किसी भी अस्पष्टता का विधेयक पारित होने के दौरान उचित रूप से समाधान किया जाएगा। विभाग ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, ''यह स्पष्ट किया जाता है कि आयकर विधेयक, 2025 का मकसद भाषा को सरल बनाना और अनावश्यक या अप्रचलित प्रावधानों को हटाना है।''

ननों पर धर्मांतरण का मामला दर्ज करने के पर्याप्त आधार : छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने मंगलवार को कहा कि राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के पास केरल की दो ननों के खिलाफ धर्मांतरण और मानव तस्करी से संबंधित आरोपों में मामला दर्ज करने के पर्याप्त आधार थे। रेलवे पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि बजरंग दल के एक कार्यकर्ता की शिकायत पर नन प्रीति मेरी और वंदना फ्रांसिस तथा सुकमन मंडावी नामक एक व्यक्ति को 25 जुलाई को दुर्ग रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया गया था। बजरंग दल के कार्यकर्ता ने उन पर नारायणपुर की तीन लड़कियों का जबरन धर्मांतरण और उनकी तस्करी करने का आरोप लगाया था।

भारतीय तटरक्षक बल के तेज गश्ती पोत 'अटल' का गोवा में जलावतरण

नई दिल्ली/भाषा। गोवा शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा भारतीय तटरक्षक के लिए बनाये जा रहे आठ अत्याधुनिक स्वदेशी डिजाइन वाले 'फास्ट पेट्रोल वेसल' (एफपीवी) की श्रृंखला में छठा पोत 'अटल' का मंगलवार को जलावतरण किया गया। अधिकारियों ने बताया कि ये उच्च गति वाली नौकाएं तटीय गश्त, द्वीप सुरक्षा मिशन और अपतटीय परिसंपत्ति संरक्षण के लिए सुसज्जित हैं, जिससे भारत की समुद्री क्षेत्र निगरानी क्षमता और राष्ट्रीय सुरक्षा में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उन्होंने बताया कि यह पोत तस्करी-रोधी, समुद्री डकैती-रोधी और खोज एवं बचाव अभियान भी चलाएगा।

30-07-2025 सूर्यास्त	31-07-2025 सूर्योदय
6:47 बजे	6:05 बजे

BSE	NSE
81,337.95	24,821.10
(+446.93)	(+140.20)

सोना	चांदी
10,284 रु.	116,534 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

प्रधानमंत्री ने स्पष्ट रूप से नहीं कहा कि ट्रंप ने झूठ बोला : राहुल

प्रधानमंत्री मोदी ने लोकसभा में यह स्पष्ट किया कि दुनिया के किसी भी नेता ने भारत से 'ऑपरेशन सिंदूर' रोकने के लिए नहीं कहा। उन्होंने लोकसभा में, ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा में हस्तक्षेप करते हुए यह भी कहा कि भारत ने "पाकिस्तान की नाभि पर" वार किया है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान स्पष्ट रूप से यह नहीं बोल सके कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का मध्यस्थता संबंधी दावा झूठा है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में एक बार भी चीन का नाम नहीं लिया, जबकि सबको पता है कि पाकिस्तान के पीछे चीन का हाथ है।

प्रधानमंत्री मोदी ने मंगलवार को लोकसभा में यह स्पष्ट किया कि दुनिया के किसी भी नेता ने भारत से 'ऑपरेशन सिंदूर' रोकने के लिए नहीं कहा। उन्होंने लोकसभा में, ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा में हस्तक्षेप करते हुए यह भी कहा कि भारत ने ''पाकिस्तान की नाभि पर'' वार किया है।

प्रधानमंत्री के भाषण के बाद कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, ''प्रधानमंत्री ने स्पष्ट रूप से नहीं कहा कि ट्रंप ने झूठ बोला है। शायद ट्रंप ने 29 बार यह दावा किया कि उन्होंने (भारत और पाकिस्तान के बीच) मध्यस्थता करवाई।''

उनका कहना था, ''सबसे दिलचस्प बात है कि पूरे भाषण में चीन शब्द नहीं बोला। पूरा देश जानता है कि चीन ने पाकिस्तान की मदद की, लेकिन प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री के मुंह से चीन शब्द नहीं निकला।''

निसार मिशन के लिए उलटी गिनती शुरू : इसरो

श्रीहरिकोटा (आंध्र प्रदेश)/भाषा। नासा-इसरो के महत्वाकांक्षी निसार मिशन के लिए 27.30 घंटे की उलटी गिनती मंगलवार को शुरू हो गई। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के सूत्रों ने यह जानकारी दी। इसरो का 'जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल' (जीएसएलवी) बुधवार शाम 5:40 बजे नासा-इसरो 'सिंथेटिक एपरचर रडार' (निसार) उपग्रह को सूर्य-समकालिक ध्रुवीय कक्षा में भेजेगा। इस मिशन की योजना अमेरिका और भारत की अंतरिक्ष एजेंसियों ने करीब दस साल पहले मिलकर बनाई थी। इस साल फरवरी में वाशिंगटन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मुलाकात के बाद इस मिशन को और तेजी से आगे बढ़ाने का फैसला लिया गया।

असम, बंगाल में जनसांख्यिकी बदलाव 'टाइम बम' की तरह है : आर एन रवि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गांधीनगर/भाषा। तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि ने मंगलवार को असम और पश्चिम बंगाल समेत देश के कुछ हिस्सों में जनसांख्यिकीय परिवर्तन पर चिंता व्यक्त करते हुए इसे 'टाइम बम' की तरह बताया तथा संबंधित पक्षों से समाधान खोजने की अपील की।

महाराष्ट्र समेत कुछ राज्यों में भाषा को लेकर चल रहे विवादों और हिंदी थोपे जाने के दावों के बीच उन्होंने कहा कि भाषा के नाम पर कटुता रखना भारत के चरित्र या संस्कृति में नहीं है।

रवि ने कहा, ''यह देश हमेशा बाहरी आक्रमणों से लड़ने में कामयाब रहा है। लेकिन जब आंतरिक मामलों की बात आती है, तो अतीत में क्या हुआ था? 1947 में आंतरिक उथल-पुथल के कारण भारत का विभाजन हुआ था। एक विचारधारा को मानने वाले लोगों ने घोषणा की कि वे हम सब के साथ नहीं रहना चाहते। इस विचारधारा ने हमारे देश को तोड़ दिया।''

तमिलनाडु के राज्यपाल शैक्षणिक वर्ष 2025-2026 का आरंभ होने के अवसर पर यहां राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय (आरआरयू) में विद्यार्थियों और अध्यापकों को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने पूछा, ''क्या किसी को पिछले 30-40 सालों में असम, पश्चिम बंगाल और पूर्वांचल (उत्तर प्रदेश और बिहार के कुछ हिस्से) में हुए जनसांख्यिकी बदलावों की चिंता है? क्या आज कोई यह अंदाजा लगा सकता है कि आने वाले 50 सालों में इन इलाकों में देश के बंटवारे का काम नहीं होगा?''

पूर्व आईपीएस अधिकारी ने कहा, ''हमें कुछ इलाकों में बढ़ती संवेदनशील जनसांख्यिकी और उसके भविष्य पर एक अध्ययन करना चाहिए। यह समस्या एक टाइम बम की तरह है। हमें यह सोचना होगा कि भविष्य में हम इस समस्या से कैसे निपटेंगे। आज से ही इसका समाधान ढूंढना शुरू कर देना चाहिए।''

बाघों को बचाकर जंगलों की 'आत्मा' को बचाएं : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने आज कहा कि बाघों को बचाकर ही जंगलों की 'आत्मा' की रक्षा की जा सकती है। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस के अवसर पर सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने संदेश में कहा तमिलनाडु गर्व से गर्जना करता है।एनटीसीए के अनुसार 306 बाघों के साथ यह सफलता हमारे वन कर्मचारियों और शिकार-रोधी टीमों के कंधों पर है जो दुर्गम इलाकों में उनके महत्वपूर्ण आवासों की रक्षा करते हैं।

स्टालिन ने बताया कि वन संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए राज्य में 1947 क्षेत्रीय पद भरे गए हैं। इसके लिए वन विभाग को आधुनिक उपकरणों, तकनीकों और विशेषज्ञ पशु चिकित्सकों से लैस किया गया है। संगठित वन्यजीव अपराध पर अंकुश लगाने के लिए तमिलनाडु वन और वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो (टीएनडब्ल्यूएफसीसीबी)की एक विशेष इकाई का गठन किया गया है। उन्होंने कहा अपने बाघों को बचाकर ही हम अपने जंगलों की 'आत्मा' की रक्षा कर रहे हैं।

एक दिन अवश्य ऐसा आयेगा जब

पीओके के लोगों की घर वापसी होगी : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

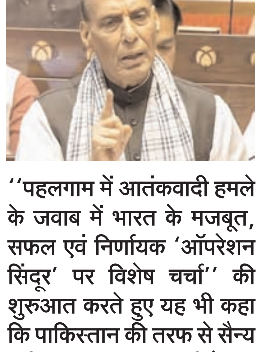

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को ऑपरेशन सिंदूर को तीनों सेनाओं के समन्वय का बेमिसाल उदाहरण बताते हुए कहा कि आज का भारत सहन करने में नहीं, बल्कि माकूल जवाब देने में विश्वास करता है। साथ ही उन्होंने यह उम्मीद भी जतायी कि पीओके के लोगों की एक दिन 'घर वापसी'' जरूर होगी।

साथ ही रक्षा मंत्री ने पाकिस्तान को स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी कि यदि उसकी ओर से कुछ आतंकवादी करतूत की गई तो ऑपरेशन सिंदूर को फिर शुरू करने में रंचमात्र भी देर नहीं की जाएगी।

सिंह ने राज्यसभा में ''पहलगाम में आतंकवादी हमले के जवाब में भारत के मजबूत, सफल एवं निर्णायक 'ऑपरेशन सिंदूर' पर विशेष चर्चा'' की शुरुआत करते हुए यह भी कहा कि पाकिस्तान की तरफ से सैन्य अभियान महानिदेशक (डीजीएमओ) के स्तर पर संपर्क कर आग्रह किया गया था कि अब कार्रवाई रोक दी जाए।

सिंह ने कहा, मैं सदन को यह भी बताना चाहूंगा कि किसी क्षेत्र पर कब्जा करना इस ऑपरेशन का मकसद नहीं था। इसका उद्देश्य पाकिस्तान द्वारा वर्षों से पाले गए आतंकवाद की नर्सरी का अंत करना था। उन लोगों को न्याय दिलाना था जिन्होंने पाक प्रायोजित पहलगाम हमले में अपने प्रियजनों को खो दिया।

रक्षा मंत्री ने कहा, 10 मई की सुबह जब भारतीय वायु सेना ने पाकिस्तान के कई एयरफील्ड पर करारा हमला किया तो पाकिस्तान ने हार मान ली और संघर्ष रोकने की पेशकश की।

उच्च सदन में चर्चा की शुरुआत में ही सिंह ने पहलगाम आतंकवादी हमले में शामिल तीन आतंकवादियों को मार गिराने के लिए सेना और सुरक्षा बलों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि भारत की आतंरिक एवं बाह्य सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए देश के रक्षा बलों की जो भूमिका रही है, उसकी जितनी भी सराहना की जाए, वह कम है।

भारत ने मिसाइल 'प्रलय' का सफल परीक्षण किया

बालासोर/नई दिल्ली/भाषा। भारत ने पारंपरिक युद्ध सामग्री ले जाने में सक्षम नई विकसित सामरिक मिसाइल 'प्रलय' का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि इस मिसाइल का परीक्षण सोमवार और मंगलवार को ओडिशा तट के पास 'एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप' से किया गया। 'प्रलय' एक कम दूरी की सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल है, जिसकी 'पेलोड' क्षमता 500 से 1,000 किलोग्राम तक है। 'पेलोड' क्षमता का अर्थ है कि कोई मिसाइल, रॉकेट, ड्रोन या विमान अधिकतम कितने भार का विस्फोटक, उपकरण या सामग्री अपने लक्ष्य तक ले जा सकता है।

पुरी के जगन्नाथ मंदिर के रत्नभंडार में कोई छिपा हुआ कक्ष नहीं: भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुरी/भाषा। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने मंगलवार को कहा कि पुरी स्थित जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार में कोई छिपा हुआ कक्ष नहीं है। एएसआई ने हाल में रत्न भंडार की मरम्मत का काम पूरा किया है।

'एक्स' पर एक पोस्ट में, इन कार्यों का विवरण देते हुए, उसने कहा, ..(रत्न भंडार में) कोई छिपा हुआ स्थान नहीं है।

एएसआई ने कहा कि 'ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार (जीपीआर)' सर्वेक्षण के आधार पर इसकी पुष्टि की गई। उसने कहा है कि रत्न भंडार या खजाना दो भागों में विभाजित है – 'भीतर' रत्न भंडार और 'बाहर' भंडार तथा दोनों के बीच लोहे का एक गेट है, जो बाहर से बंद होता है। उसने कहा, दोनों कक्षों का निरीक्षण करने के बाद, यह पता लगाने के लिए एक जीपीआर सर्वेक्षण करने का निर्णय लिया गया कि दीवारों में या फर्श के नीचे कोई छिपा हुआ कक्ष या अलमारियां तो नहीं हैं।

एएसआई ने कहा है,''सितंबर 2024 में किए गए जीपीआर सर्वेक्षण की रिपोर्ट ने पुष्टि की है कि कोई छिपी हुई जगह नहीं है। रिपोर्ट के बाद, 17 दिसंबर 2024 को संरक्षण कार्य शुरू हुआ। इसकी शुरुआत भीतर और बाहर भंडार दोनों में मचान बनाकर की गई।

उसने बताया कि रत्न भंडार मंदिर के जगमोहन या सभा भवन के उत्तरी प्रवेश द्वार से जुड़ा हुआ है। उसने कहा कि खोंडालाइट पत्थर से निर्मित रत्न भंडार का उद्देश्य भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और श्री सुदर्शन की बहुमूल्य वस्तुओं को रखना था।

रत्न भंडार में संरक्षण कार्य दो चरणों में किया गया। पहला चरण 17 दिसंबर, 2024 से 28 अप्रैल, 2025 तक चला तथा दूसरा 28 जून से 7 जुलाई तक चला।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

समदर्शी नेता

धर्म जाति अगड़ा-पिछड़ा,
अब उच्च दलित में बँटा वोट।
क्या यही स्वप्न था भारत का,
देखें हम जिसमें सदा खोट।
अपनी सत्ता के हित साधक,
चल रहे शकुनि बन कुटिल गोट।
लाओ कोई ऐसा नेता,
समदर्शी बन कर सके चोट।।

बेंगलूरु | बुधवार | 30-07-2025 www.dakshinbharat.com /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
दक्षिण भारत राष्ट्रमत

असामान्य पुण्य और सत्व के धारक होते हैं महापुरुष : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

श्रद्धा,भक्ति से मना तीर्थंकर नेमिनाथ का जन्मोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। स्थानीय राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में जीरावला पार्श्वनाथ सभागृह में 22वें तीर्थंकर नेमिनाथ भगवान का जन्म कल्याणक महोत्सव मंगलवार को आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी और गणि पद्मविमलसागरजी के सान्निध्य में भव्यता से मनाया गया। सभागृह में पीठिका पर विधि-विधान पूर्वक भगवान नेमिनाथ की मनोहारी विशाल प्रतिमा की स्थापना की गई। विविध बहुमूल्य सामग्री और जड़ीबूटियों के द्वारा मंत्रों और मुद्राओं से पंचाभिषेक अनुष्ठान किया गया। सैकड़ों श्रद्धालु पुरुष व महिलाएं पूजा के वस्त्र परिधान में सज धजकर इस उत्सव में सम्मिलित हुए। झूले में बाल नेमिनाथ की स्थापना की गई। इस अवसर पर उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि महापुरुषों की आत्माएं असामान्य कोटि के पुण्य और सत्व की धारक होती हैं, इसलिए जब ब्रह्मांड में विशिष्ट योग बनते हैं, तभी उनके जीवन की महत्वपूर्ण घटनाएं आकर लेती हैं। तीर्थंकरों और अवतारी महापुरुषों की जन्मपत्रिका में पांच, छह या सात ग्रह उच्च स्थिति के होते हैं। वह मंगलमय पवित्र वेला समग्र ब्रह्मांड के लिए सुख-शांति और उन्नति की कारक होती है। जगत के उस समय में रोग, शोक, भय, पीड़ा, महामारी, दुर्भिक्ष, अकाल मरण और युद्ध आदि नहीं होते, इसलिए तीर्थंकरों के कल्याणकों को कल्याणकारी कहा जाता है। ये तीर्थंकर और अवतारी महापुरुष अनेक जन्मों की साधना का पुण्य एकत्रित कर धरा पर अवतरित होते हैं। वे लाखों-करोड़ों लोगों का उद्धार कर देते हैं। महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा प्राप्त करने के लिए इतिहास का अवलोकन करना चाहिए।

भारतीय इतिहास ज्ञान और साधना का भंडार है। यहां भोग नहीं योग की प्रधानता रही है। गणि पद्मविमलसागरजी ने प्रभु नेमिनाथ के जन्म चरित्र का वर्णन किया। स्थानीय जैन समाज के साथ साथ उत्तर कर्नाटक के अनेक क्षेत्रों के श्रद्धालुओं ने महोत्सव में भाग लिया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सम्मान

शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान और कक्षा में नवाचारी शिक्षण विधियों को अपनाने हेतु वर्ष 2025 का 'आचार्य द्रोणाचार्य सम्मान' बेंगलूरु के कार्मेल हाई स्कूल की शैक्षणिक समन्वयक व हिंदी विभागाध्यक्ष सरला जैन को प्रदान किया गया। यह सम्मान बेंगलूरु की एक संस्था के संस्थापक डॉ जगदीश प्रसाद गोविल, मुख्य अतिथि कर्नल सुधीर सीयू, सीए मनीष गोल्याण द्वारा प्रदान किया गया। सरला जैन की उत्कृष्ट सेवाओं, अधिगम में नवाचार पद्धतियों के समावेश व हिन्दी साहित्य की सेवा हेतु यह सम्मान प्रदान किया गया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अन्नदान

बेंगलूरु के मागड़ी रोड स्थित सुमतिनाथ जैन श्वेतांबर संघ के सदस्यों ने साध्वी मयूरयशाश्रीजी की निश्रा में जीवदया प्रेमी नेमिनाथ परमात्मा के जन्म कल्याणक के उपलक्ष्य में जरूरतमंदों के लिए अन्नदान का कार्यक्रम आयोजित किया।

सम्मान — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कर्नाटक ड्राइवर एंड ओनर वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा बेंगलूरु के रवींद्र कला क्षेत्र में आयोजित शताब्दी उत्सव 'महासंगम' कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में उत्तम सेवा देने वाले ड्राइवरों को सम्मानित करते हुए मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत एवं संगठन के पदाधिकारी।

विल्सन गार्डन संघ ने साध्वीश्री की जयंती 'पंचरंगी सामायिक दिवस' के रूप में मनाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के विल्सन गार्डन के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी प्रभाकंवरजी की जयंती 'पंचरंगी सामायिक स्वाध्याय दिवस' के रूप में श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाई गई।

साध्वी आगमश्रीजी ने प्रभाकंवरजी म.सा. के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे वात्सल्य, विनय और अनुशासन की साक्षात प्रतिमूर्ति हैं। उनकी वाणी में मधुरता और व्यवहार में सहजता है। उन्होंने अपनी शिष्याओं को आत्मबल, आत्मविश्वास और आगम-आधारित जीवन जीने की प्रेरणा दी।

वे गुरुभक्ति की आदर्श हैं और उनका जैन धर्म के प्रचार-प्रसार में उल्लेखनीय योगदान रहा। साध्वी धैर्याश्रीजी ने कहा कि जीवन को सार्थक बनाने के लिए हमें त्याग, क्षमा, धैर्य और समता जैसे गुणों को अपने जीवन में आत्मसात करना होगा। सामायिक आत्मा की शुद्धि का उत्तम माध्यम है। इसमें ध्यान, स्वाध्याय, संकल्प, मैत्री और समता के भाव समाहित होते हैं, जो आत्मिक उन्नति की दिशा में मार्गदर्शन करते हैं।

संघ के चेयरमैन मीठालाल मकाणा ने सभी का स्वागत किया। अध्यक्ष नेमीचंद भंसाली ने धन्यवाद दिया। मंत्री सज्जन बोहरा ने संघ के आगामी कार्यक्रमों के बारे में बताया।

'जीतो' केकेजी जोन के पदाधिकारियों ने केएमडीसी चेयरमैन से की मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो केकेजी जोन के महामंत्री दिलीप जैन के नेतृत्व में जीतो के एक प्रतिनिधि मंडल ने कर्नाटक अल्पसंख्यक विकास निगम (केएमडीसी) के अध्यक्ष अल्ताफ खान से औपचारिक भेंट कर जैन समाज के उत्थान की मांगों को लेकर एक ज्ञापन सौंपा। अल्ताफ खान ने जैन समाज के उत्थान की मांगों का समर्थन करते हुए संबंधित मंत्रियों तक पहुंचाने का आश्वासन दिया।

जीतो केकेजी जोन के अल्पसंख्यक एवं मीडिया प्रभारी सिद्धार्थ बोहरा ने बताया कि सौंपे गए ज्ञापन में जैन समाज से संबंधित शैक्षणिक, व्यापारिक एवं आर्थिक मांगों के साथ जैन विकास निगम के गठन की प्रक्रिया में तेजी लाने की मांग का उल्लेख है। प्रतिनिधि मंडल में शामिल जीतो बेंगलूरु साउथ के अल्पसंख्यक प्रभारी इंदर नाहर, नार्थ के अल्पसंख्यक प्रभारी किशोर कर्णावट एवं जीतो जैन बंधु योजना के समिति सदस्य अमित कोठारी उपस्थित थे। इस मौके पर कर्नाटक अल्पसंख्यक विकास निगम के निदेशक मोहम्मद सिराज भी उपस्थित थे।

प्राणी मात्र का हितचिंतन ही सच्ची मानवता : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मागड़ी रोड स्थित ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केन्द्र भवन में चातुर्मासार्थ विराजित उपप्रवर्तकश्री नरेश मुनि जी ने छह लेश्याओ में से प्रथम कृष्ण लेश्या की सारगर्भित विवेचना करते हुए कहा कि तीव्र क्रोध, मान, माया और लोभ की परिणति कृष्ण लेश्या के लक्षण हैं।बिना कारण दूसरों को नुक़सान पहुंचाना एवं उनके अहित की भावना रखना यह कृष्ण लेश्या वाले जीव की पहचान है।

हर 48 मिनट में लेश्या परिवर्तित होती रहती है। उन्होंने कहा कि शुभ से अशुभ में प्रवृत्ति पाप है और अशुभ से शुभ में प्रवृत्ति यह पुण्य है। वहीं इन दोनों से ऊपर उठ जाना निर्वाण है। उन्होंने कहा कि जगत के समस्त प्राणी मात्र के प्रति हित चिंतन करना ही मानवता की सच्ची निशानी है। दया, प्रेम, समता, सहिष्णुता और क्षमा तथा परोपकार सहयोग की भावना रखना ही मानवीय गुण है। हर इंसान में यह गुण विकसित होने चाहिए तभी वह आध्यात्मिकता के क्षेत्र में प्रवेश कर सकता है और अपने को पशु जगत और सबसे ऊपर उठकर सच्चा मानव कहलाने का अधिकारी बन सकता है।मुनिश्री शालिभद्र जी ने अनित्य भावना पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संसार में कुछ भी परमानेंट नहीं है। संसार एक मुसाफिरखाने के समान है। जहां कुछ समय रुक कर फिर उस इंसान को वह जगह ख़ाली करके अन्यत्र जाना ही पड़ता है। उन्होंने कहा कि जैसे फल, फूल,छाया से रहित वृक्ष को छोड़कर सब पक्षी भी दूसरी जगह चले जाते हैं, वैसे ही यह संसार स्वार्थ से भरा हुआ है। जब तक दूसरों का आपसे स्वार्थ, हित जुड़ा हुआ है तब तक ही व्यक्ति आपके साथ अच्छा व्यवहार करता है। अपना स्वार्थ सिद्ध होते ही फिर वह व्यक्ति आपकी मुसीबत के समय आपको पहचानने से भी इंकार कर देता है। वास्तव में यही दुनिया का दस्तूर है। इस अवसर पर अनेक तपस्वियों ने तप के संकल्प लिए। बेंगलूरु के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ सेन्ट्रल के पदाधिकारी भी प्रवचन में उपस्थित थे।

शहर में जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ की राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ कर्नाटक के जैन स्वाध्याय भवन राजाजीनगर में सोमवार को राष्ट्रीय स्तर की बैठक आयोजित हुई जिसमें संघ के कार्याध्यक्ष महावीर बोथरा, राष्ट्रीय श्रावक संघ के मंत्री सुभाष गुंदेचा , राष्ट्रीय संयोजक धनपत सेठिया, राष्ट्रीय संयोजक प्रमोद लोढ़ा, राष्ट्रीय संयोजक राजेन्द्र लुकंड, राष्ट्रीय श्राविका संघ की महासचिव सुमन सिंघवी, राष्ट्रीय युवा संघ के अध्यक्ष विवेक लोढ़ा, राष्ट्रीय युवा संघ के महासचिव अमित मुणोत, विजय रूणवाल, क्षेत्रीय प्रधान किशोर छाजेड़ सहित अनेक सदस्य मंचासीन थे।

अध्यक्ष निर्मल बम्ब ने सभी का स्वागत किया। उपाध्यक्ष सज्जनराज मेहता व गौतमचंद ओस्तवाल ने संतों के संदेशों का वाचन किया तथा अतिथियों का परिचय दिया। महावीर बोथरा ने संघ की विविध गतिविधियों के बारे में, प्रमोद लोढ़ा ने सामायिक स्वाध्याय भवन बनाने बाबत, राजेन्द्र लुंकड़ ने रत्न स्वर्ण महोत्सव बाबत, विवेक लोढ़ा ने युवक संघ की गतिविधियों बाबत, सुमन सिंघवी ने श्राविका मंडल की गतिविधियों बाबत, सुभाष गुंदेचा एवं धनपत सेठिया ने संघ की यशस्वी गाथाओं बाबत विचार व्यक्त किए।

इस मौके पर अतिथियों व पदाधिकारियों का जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ, श्राविका मंडल, युवक परिषद के पदाधिकारियों ने सम्मान किया।

'जीतो' ज़ेवर एक्सपो एवं दि ब्राइडल स्टोरी एक्सपो

ट्रेड एक्सपो की तैयारियों को लेकर महिला विंग ने की बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीतो) नॉर्थ चैप्टर, जीतो एपेक्स-लेडीज विंग एवं जीतो-केकेजी ज़ोन के संयुक्त तत्वावधान में 5, 6 और 7 सितम्बर को आयोजित होने जा रहे जीतो ज़ेवर एक्सपो एवं दि ब्राइडल स्टोरी की तैयारियों को लेकर राजाजीनगर स्थित जीतो नॉर्थ कार्यालय में बैठक का आयोजन हुआ।

बैठक में विशेष रूप से जीतो लेडीज विंग की पूर्व अध्यक्षाएं शामिल हुईं जिन्होंने अपने सुझाव दिए। लेडीज विंग की चेयरपर्सन लक्ष्मी बाफना ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि दि ब्राइडल स्टोरी आयोजन की संपूर्ण जिम्मेदारी लेडीज विंग नॉर्थ संभाल रही है।

कार्यक्रम की संयोजिका सुमन सिंघवी एवं सह-संयोजिका बिंदु नाहर ने आयोजन की रूपरेखा, व्यवस्थाओं एवं जिम्मेदारियों के बारे में बताया। प्रमिला भंडारी ने टीम द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। निशा सामर ने सुझाव दिया कि इस कार्यक्रम में देश की विविध पारंपरिक पोशाकों की स्टॉल्स को शामिल किया जाए। मधु डोसी ने इवेंट को सोशल मीडिया एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर लाइव प्रसारित करने का सुझाव दिया। सुनीता गांधी ने सभी को कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करने की सलाह दी। बिंदु रायसोनी ने इवेंट के दौरान महिलाओं के लिए प्रेरणादायक व्याख्यान आयोजित करने की बात कही। पिंकी जैन ने स्थानीय उद्यमियों और बड़े डिजाइनरों को मंच देने का सुझाव दिया।

अंत में जीतो लेडीज विंग की महामंत्री रक्षा छाजेड़ ने सभी को धन्यवाद दिया। बैठक में जीतो लेडीज विंग की उपाध्यक्ष सुमन वेदमेहता, कोषाध्यक्ष तनुजा मेहता, सहमंत्री सुमन रांका, कार्यसमिति सदस्य संगीता नागोरी, मोना आंचलिया, संगीता मुथा आदि उपस्थित थीं।

बेंगलूरु में जिलेटिन की छड़ें बरामद होने के मामले में तीन लोग गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु में कलासिपाल्या बीएमटीसी बस स्टैंड पर जिलेटिन की छड़ें और डेटोनेटर से भरा एक बैग बरामद होने के बाद इस संबंध में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोग कोलार के रहने वाले हैं और वे एक खदान में काम करते थे। बेंगलूरु के पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह ने बताया कि 23 जुलाई को बस टर्मिनस के सार्वजनिक शौचालय के बाहर एक बैग से छह जिलेटिन की छड़ें और कुछ डेटोनेटर बरामद होने के बाद कलासिपाल्या थाने में मामला दर्ज किया गया था।

पुलिस ने बताया कि मामले को सुलझाने और तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने में 60 कर्मचारियों की टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सिंह ने पत्रकारों को बताया, हमने अब तक गिरफ्तार किए गए तीन आरोपियों से 22 जिलेटिन की छड़ें और 30 डेटोनेटर बरामद किए हैं। कुछ और गिरफ्तारियां की जानी हैं। ये लोग कोलार के हैं और हमने उस स्थान का पता लगा लिया है जहां से इसे लिया गया था, लेकिन उन्हें किसने और क्यों दिया और किन शर्तों पर दिया गया - इन सबकी जांच की जा रही है।''

मंजूनाथनगर में प्राकृतिक चिकित्सा शिविर शुरू

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के मंजूनाथनगर में सकल जैन संघ के तत्वावधान में एक्युप्रेशर, सुजोक एवं वाइब्रेशन थेरेपी शिविर का आयोजन जैन भवन में किया गया। संघ के पदाधिकारियों ने शिविर का उद्घाटन किया। 2 अगस्त तक चलने वाले इस प्राकृतिक चिकित्सा शिविर का लाभ संघवी उत्तमचंद पुष्पादेवी आच्छा परिवार ने लिया जिसमें सैकड़ों लोगों ने विभिन्न जांच करवाई । इस मौक़े पर संघ के उपाध्यक्ष विनोद कुमार मेड़तवाल, मंत्री राकेश दलाल सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

रिलायंस जियो के ग्राहक टीवी का पर्सनल कंप्यूटर की तरह कर सकेंगे इस्तेमाल

नई दिल्ली/भाषा। दूरसंचार सेवा प्रदाता रिलायंस जियो ने सदस्यता आधारित पर्सनल कंप्यूटर सेवा शुरू की है, जिससे ग्राहक सेट-टॉप बॉक्स की मदद से अपने टेलीविजन का इस्तेमाल पर्सनल कंप्यूटर की तरह कर सकेंगे।

कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, जियोपीसी' सदस्यता 599 रुपए (जीएसटी को छोड़कर) से शुरू होने वाले मासिक प्लान के साथ उपलब्ध है। वार्षिक प्लान 4,599 रुपए (जीएसटी को छोड़कर) का है, जो प्रति माह लगभग 383 रुपए शुल्क है। पीसी सेवा का इस्तेमाल करने के लिए जियोफाइबर और जियो एयरफाइबर उपयोगकर्ताओं को ऐप खंड में जियोपीसी ऐप पर क्लिक करना होगा।

इस आठ जीबी रैम और 100 जीबी क्लाउड स्टोरेज वाले पर्सनल कंप्यूटर का उपयोग करने के लिए ग्राहक के पास कीबोर्ड और माउस होना जरूरी है। कंपनी के एक सूत्र ने कहा, जियोपीसी ने एडोब के साथ साझेदारी की है, जिससे उपयोगकर्ताओं को एडोब एक्सप्रेस तक मुफ्त पहुंच मिलेगी। इस मंच की सदस्यता में सभी प्रमुख एआई टूल्स के साथ ही सभी लोकप्रिय ऐप और 512 जीबी क्लाउड स्टोरेज भी मिलेगा।

जियोपीसी के एक महीने के मुफ्त परीक्षण में जियो वर्कस्पेस, माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस (ब्राउजर) और 512 ऋह्र क्लाउड स्टोरेज शामिल है।

सूत्र ने कहा, जियोपीसी भारत की तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था के लिए बनाया गया है जिसमें उद्यमियों से लेकर स्कूल जाने वाले बच्चों तक सभी शामिल हैं।

अमेरिका को स्मार्टफोन निर्यात में भारत ने चीन को पीछे छोड़ा : कैनालिस

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिका को स्मार्टफोन निर्यात के लिहाज से भारत ने 2025 की दूसरी तिमाही में पहली बार चीन को पीछे छोड़ दिया है। शोध कंपनी कैनालिस के अनुसार, शुल्क वार्ताओं के बीच चीन की व्यापार हिस्सेदारी घटने के कारण ऐसा हुआ और भारत, अमेरिका पहुंचने वाले स्मार्टफोन का सबसे बड़ा विनिर्माण केंद्र बनकर उभरा। कैनालिसके शोध से पता चला कि शुल्क संबंधी चिंताओं के बीच विक्रेताओं के अपने भंडार को बढ़ाने के चलते चालू कैलेंडर वर्ष की दूसरी तिमाही में अमेरिका में स्मार्टफोन का आयात एक प्रतिशत बढ़ गया। इसके मुताबिक, चीन के साथ व्यापार वार्ता को लेकर अनिश्चितता के कारण आपूर्ति श्रृंखला को तैयार करने का काम तेज हुआ है। अमेरिका पहुंचने वाले स्मार्टफोन में चीन की हिस्सेदारी अप्रैल-जून में घटकर 25 प्रतिशत रह गई, जो एक साल पहले 61 प्रतिशत थी। रिपोर्ट के मुताबिक, इस गिरावट का ज्यादातर हिस्सा भारत को मिला। भारत में बने स्मार्टफोन की कुल मात्रा में सालाना आधार पर 240 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और अब अमेरिका पहुंचने वाले स्मार्टफोन में भारत की 44 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

पूजा

उज्जैन में मंगलवार को नाग पंचमी के अवसर पर भगवान नागचंद्रेश्वर मंदिर में भक्त पूजा-अर्चना करते हुए।

शिवकुमार ने मुख्यमंत्री पद न मिलने संबंधी खरगे की टिप्पणी का बचाव किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने मंगलवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की 1999 में मुख्यमंत्री पद के लिए नजरअंदाज किए जाने संबंधी हालिया टिप्पणी का बचाव करते हुए कहा कि एक वरिष्ठ नेता द्वारा अपनी भावनाएं व्यक्त करने में कुछ भी गलत नहीं था। बहरहाल, उन्होंने यह भी कहा कि किसी को भी अपनी भावनाओं को सार्वजनिक रूप से व्यक्त नहीं करना चाहिए।

शिवकुमार ने यहां पत्रकारों से कहा, ''अगर मल्लिकार्जुन खरगे अपनी भावनाएं व्यक्त करते हैं तो इसमें क्या गलत है? वह एक वरिष्ठ नेता हैं जिन्होंने कांग्रेस के लिए अथक परिश्रम किया है। उन्होंने बस अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। इसमें कुछ भी गलत नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''अपनी भावनाएं व्यक्त करनी चाहिए, लेकिन सार्वजनिक रूप से नहीं।'' रविवार को विजयपुरा में एक कार्यक्रम में की गई खरगे की टिप्पणी ने पार्टी के भीतर नेतृत्व

और कर्नाटक में दलित मुख्यमंत्री की लंबे समय से चली आ रही मांग पर नयी बहस छेड़ दी है।

रविवार को विजयपुरा में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए खरगे ने 1999 के विधानसभा चुनाव में अपनी भूमिका को याद करते हुए कहा था, ''...... कांग्रेस विधायक दल के नेता के रूप में (1999 के चुनावों से पहले) मैंने पार्टी को सत्ता में लाने की कोशिश की थी। पार्टी ने सरकार बनाई और एस एम कृष्णा मुख्यमंत्री बने। वह (केपीसीसी अध्यक्ष के रूप में) चार महीने पहले (चुनावों से) आए थे....मेरी सारी सेवा पानी में बह गई। मुझे लगता है कि मैंने पांच साल तक कड़ी मेहनत की, लेकिन जो व्यक्ति चार महीने पहले आया था उसे मुख्यमंत्री बना दिया गया....।''

उन्होंने कहा, ''मैं यह कहना चाहता हूं कि हमें कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, लेकिन हमें लालच के बिना काम करते रहना चाहिए। अगर आप लालची हैं, तो आपको कुछ नहीं मिलेगा। साथ ही आप वह भी नहीं कर पाएंगे जो आपके मन में है.....इन सब चीजों से गुजरते हुए, ब्लॉक अध्यक्ष से, आज में कांग्रेस अध्यक्ष बन गया हूं। मैं (कभी) पद के पीछे नहीं भागा।''

शिवकुमार से यह पूछा गया कि क्या मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या द्वारा उन्हें दरकिनार किया जा रहा है, जिन्होंने उनकी भागीदारी के बिना विधायकों के साथ बैठक बुलाई। लेकिन उन्होंने इससे इनकार किया। शिवकुमार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष भी है। उन्होंने कहा, ''मुख्यमंत्री विधायकों के साथ बैठकें करने के लिए अपने अधिकार का इस्तेमाल कर रहे हैं। मुझे इसमें कोई आपत्ति नहीं है। उन्हें रणदीप सुरजेवाला के माध्यम से विधायकों से फीडबैक मिला था और अब वह उस पर कार्रवाई कर रहे हैं। मैंने भी कुछ विधायकों के साथ बैठकें की हैं, खासकर बेंगलूरु के विकास को लेकर।''

नाग पंचमी

मंगलवार को चिक्कबल्लापुर के पास ईशा फाउंडेशन में महिलाओं ने नगर पंचमी मनाई।

पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ित परिवार ने 'ऑपरेशन महादेव' पर संतोष जताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पहलगाम हमले में मारे गए भारत भूषण के परिवार के लिए ऑपरेशन महादेव' के तहत इस हमले के मास्टरमाइंड और उसके साथियों के मारे जाने की खबर थोड़ी राहत लेकर आई है। भारत भूषण उन 26 लोगों में शामिल थे जिन्हें 22 अप्रैल को पहलगाम में धार्मिक पहचान पूछने के बाद उनके परिवारों के सामने मार डाला गया था। मारे गए ज्यादातर लोग पर्यटक थे। भूषण के पिता चेन्नवीरप्पा ने मंगलवार को 'पीटीआई-वीडियो' से कहा, ''मेरे बेटे की आतंकवादी हमले में हत्या एक बहुत ही बर्बर कृत्य' था। आतंकवादियों के मारे जाने से उन शोक संतप्त परिवारों को थोड़ा सुकून मिला है जिन्होंने अपने बेटे खो दिए।'' उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा, ''अब सरकार को सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी आतंकवादी हमारी धरती में घुसकर निर्दोष लोगों की हत्या न कर सके... ऐसा फिर कभी नहीं होना चाहिए। सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ऐसे इलाकों में सैन्यकर्मी तैनात हों...।''

उन्होंने कहा कि अगर पर्यटक स्थल पर सेना के जवान तैनात होते तो यह हमला रोका जा सकता था और 26 अनमोल जानें बचाई जा सकती थीं। सीमापार आतंकवाद को खत्म करने की मांग करते हुए चेन्नवीरप्पा ने कहा, ''सरकार को सतर्क रहना चाहिए और सीमा पार से होने वाले आतंकवाद को रोकना चाहिए... आतंकवाद खत्म करना चाहिए और पाकिस्तान को सबक सिखाना चाहिए। (प्रधानमंत्री) मोदी ने निश्चित ही अच्छा काम किया है। उन्होंने आतंकियों को मारा और पूरी दुनिया को बता दिया कि हम आतंकवाद के खिलाफ हैं।'' बहरहाल, भूषण के भाई प्रीतम ने कहा, ''हमारा भाई तो वापस नहीं आ सकता, लेकिन हमें संतोष है कि सरकार और सशस्त्र बलों ने उन आतंकियों को मार गिराया जो इस तरह की भयावह घटनाओं को अंजाम देकर कई परिवारों को पीड़ा पहुंचाते हैं। इस लिहाज से हमें खुशी है कि ऐसे निर्दोष पर्यटकों की नृशंस हत्या करने वाले लोगों को खत्म कर दिया गया।''

सेना के विशिष्ट पैरा कमांडो ने सोमवार को श्रीनगर में दाचीगाम राष्ट्रीय उद्यान के पास हरवान क्षेत्र के मुलनार में मुठभेड़ में 22 अप्रैल के हमले के कथित मास्टरमाइंड सुलेमान उर्फ आसिफ और उसके दो साथियों को मार गिराया। इसे सुरक्षाबलों की एक बड़ी कामयाबी माना जा रहा है। पहलगाम हमले के अपराधियों द्वारा इस्तेमाल किए गए सैटेलाइट फोन के तकनीकी सिग्नल मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने 'ऑपरेशन महादेव' शुरू किया।

दर्शन के प्रशंसकों की धमकी के संबंध में राम्या की शिकायत पर पुलिस कार्रवाई करेगी : परमेश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने मंगलवार को कहा कि पुलिस अभिनेत्री-से नेता बनी राम्या की उस शिकायत पर कार्रवाई करेगी, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया है कि उन्हें अभिनेता दर्शन के प्रशंसकों ने कथित रूप से धमकियां दीं। परमेश्वर ने राम्या की शिकायत के बारे में पूछे जाने पर संवाददाताओं से कहा, ''पुलिस कार्रवाई करेगी। इसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए। भविष्य में ऐसी घटनाएं नहीं होनी चाहिए। आज यह राम्या है। कल कोई और हो सकता है। कहीं न कहीं ऐसी चीजों पर पूर्ण विराम लगाना होगा। पुलिस आयुक्त कार्रवाई करेंगे।''

जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने अधिकारियों को कोई निर्देश दिया है, तब उन्होंने कहा, ''आयुक्त (निर्देश) देंगे...आयुक्त संबंधित अधिकारियों को निर्देश देंगे। मैं भी निर्देश दूंगा कि ऐसी चीजें नहीं होनी चाहिए।'' राम्या ने सोमवार को

बेंगलूरु के पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह से मुलाकात की थी और दर्शन के प्रशंसकों के खिलाफ शिकायत दर्ज करायी थी। कर्नाटक राज्य महिला आयोग ने सोमवार को बेंगलूरु पुलिस आयुक्त को एक पत्र भेजकर उनसे अपील की थी कि दर्शन के प्रशंसकों द्वारा सोशल मीडिया पर कथित तौर पर किए गए 'अपमानजनक पोस्ट' के बाद, राम्या समेत महिलाओं के खिलाफ ऑनलाइन दुर्व्यवहार में वृद्धि के विरुद्ध कार्रवाई की जाए।

राम्या ने हाल में सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था कि ''उच्चतम न्यायालय भारत के आम लोगों के लिए आशा की किरण है – रेणुकास्वामी के परिवार के लिए न्याय।'' वह रेणुकास्वामी हत्या मामले में शीर्ष अदालत की नवीनतम टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया व्यक्त कर रही थीं। इस हत्याकांड में दर्शन एक आरोपी हैं। राम्या के इस पोस्ट के बाद, दर्शन के कई कथित प्रशंसकों ने सोशल मीडिया पर राम्या को निशाना बनाया। उच्चतम न्यायालय ने पिछले सप्ताह रेणुकास्वामी हत्या मामले में कर्नाटक उच्च न्यायालय द्वारा दर्शन को दी गई ज़मानत रद्द करने की कर्नाटक सरकार की याचिका पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था। दर्शन और उनकी मित्र अभिनेत्री पवित्रा गौड़ा इस हत्या मामले में 17 आरोपियों में शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, दर्शन के प्रशंसक 33 वर्षीय रेणुकास्वामी ने पवित्रा गौड़ा को अश्लील संदेश भेजे थे, जिससे दर्शन नाराज हो गए थे। बाद में रेणुकास्वामी की कथित तौर पर हत्या कर दी गयी थी। रेणुकास्वामी का शव पिछले साल नौ जून को सुमनहल्ली स्थित एक अपार्टमेंट के बगल में एक नाले के पास मिला था।

ऑनलाइन धमकियों को लेकर अभिनेत्री राम्या की शिकायत पर मामला दर्ज : पुलिस आयुक्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अभिनेता दर्शन के प्रशंसकों द्वारा सोशल मीडिया पर कथित तौर पर धमकियां दिए जाने और आपत्तिजनक शब्द कहे जाने के सिलसिले में कन्नड़ अभिनेत्री राम्या उर्फ दिव्या स्पंदना की शिकायत पर मंगलवार को एक मामला दर्ज कर लिया गया। बेंगलूरु शहर के पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह ने यह जानकारी दी। सिंह ने बताया कि आयुक्त कार्यालय (सीसीपी) परिसर स्थित साइबर अपराध पुलिस थाने ने राम्या की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया है। उन्होंने कहा, उपायुक्त स्तर के एक अधिकारी ने मामले की जांच का जिम्मा संभाल लिया है और वह जांच की निगरानी करेंगे।

राम्या ने सोमवार को सिंह से मुलाकात कर 43 सोशल मीडिया खातों के खिलाफ उनके बारे में अश्लील संदेश पोस्ट करने और उन्हें हत्या एवं बलात्कार की धमकी देने को लेकर शिकायत दर्ज कराई थी। अभिनेत्री ने 27 जुलाई को एक सोशल मीडिया पोस्ट में अभिनेता दर्शन के प्रशंसकों को उनकी हिंसक टिप्पणियों के लिए आड़े हाथों लिया था। राम्या ने कहा था कि 24 जुलाई को उच्चतम न्यायालय में रेणुकास्वामी हत्याकांड की सुनवाई के संबंध में एक रिपोर्ट साझा करने और रेणुकास्वामी के परिवार के लिए न्याय की मांग करने के बाद उनके सोशल मीडिया पेज पर आपत्तिजनक पोस्ट की बाढ़ आ गई। कन्नड़ अभिनेता दर्शन इस हत्याकांड में मुख्य संदिग्ध हैं। इस बीच, कन्नड़ फिल्मों के सुपरस्टार शिव राजकुमार ने राम्या के साथ एकजुटता व्यक्त करते हुए कहा है कि उनका रुख सही है। शिवराजकुमार ने मंगलवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, राम्या के खिलाफ इस्तेमाल किए गए शब्द निंदनीय हैं। किसी भी महिला के खिलाफ इस तरह बोलना सही नहीं है; ऐसी टिप्पणियां कतई स्वीकार्य नहीं हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं का न केवल मां, बहन, बेटी और पत्नी के रूप में, बल्कि एक व्यक्ति के रूप में भी सम्मान करना बहुत अहम है। अभिनेता ने कहा, सोशल मीडिया एक बहुत शक्तिशाली औजार है; इसका इस्तेमाल अपनी प्रगति के लिए किया जाना चाहिए, न कि महिलाओं को अपशब्द कहने और नफरत एवं ईर्ष्या फैलाने के लिए।

इंटरवेंशनल पल्मोनोलॉजी में जटिलताओं और सुरक्षा पर 'सीएपीआई 2025' सम्मेलन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां एक होटल में शनिवार को चिकित्सा जटिलताओं पर चर्चा करने के लिए 'सीएपीआई 2025' सम्मेलन का आयोजन किया गया। एशिया पैसिफिक इंटरवेंशनल पल्मोनरी अलायंस के सहयोग से वायु चेस्ट एंड स्लीप स्पेशलिटी सेंटर के संस्थापक डॉ. रवींद्र मेहता द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में इंटरवेंशनल पल्मोनोलॉजी (फेफड़ों और वायुमार्ग के रोगों के निदान और उपचार) में जटिलताएँ और सुरक्षा विषय पर चर्चा हुई जिसमें दुनिया भर के डॉक्टर और चिकित्सा विशेषज्ञों ने प्रक्रियात्मक चिकित्सा की वास्तविकताओं पर चर्चा की। सम्मेलन में चिकित्सा जटिलताओं को वर्तमान और भविष्य की चिकित्सा पद्धति के लिए आवश्यक शिक्षण उपकरण के रूप में देखा गया। डॉ. रवींद्र मेहता ने कहा कि सुरक्षा और सावधानीपूर्वक योजना रोगी और ऑपरेटर दोनों के लिए लाभदायक है। इस सम्मेलन में विश्व ब्रोंकोलॉजी और इंटरवेंशनल पल्मोनोलॉजी संघ, यूरोपीय ब्रोंकोलॉजी और इंटरवेंशनल पल्मोनोलॉजी संघ, भारतीय ब्रोंकोलॉजी संघ, कर्नाटक पल्मोनरी संघ सहित रोहिणी और नंदन नीलेकणी का समर्थन मिला।

बेंगलूरु से जापान पहुंचे चार हाथी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बन्नेरघट्टा जैविक उद्यान (बीबीपी), बेंगलूरु ने जानकारी दी कि चार हाथियों को जापान के हिमेजी सेंट्रल पार्क में सफलतापूर्वक स्थानांतरित किया गया। यह इसके इतिहास में एक अभूतपूर्व उपलब्धि और अंतर्राष्ट्रीय वन्यजीव सहयोग में एक मील का पत्थर है। वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफ एंड सीसी) के डॉ. सुनील पंवार ने इसके लिए आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा, यह जटिल और संवेदनशील पशु विनिमय कार्यक्रम भारत और जापान के विभिन्न विभागों, संस्थानों और व्यक्तियों के सामूहिक प्रयासों, समन्वय और समर्पण से संभव हुआ है। हम मुख्य वन्यजीव वार्डन और कर्नाटक वन विभाग को आवश्यक अनुमति प्रदान करने और जानवरों के सुचारू स्थानांतरण के लिए उनके अटूट समर्थन के लिए भी धन्यवाद देते हैं। अंतरराष्ट्रीय वन्यजीव व्यापार नियमों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु सीआईटीईएस परमिट

जारी करने में सहायता के लिए विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) और वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो के प्रति आभार व्यक्त करते हैं।

उन्होंने कहा, पशु संगरोध और प्रमाणन सेवाएं (एक्यूसीएस), बेंगलूरु और पशुपालन एवं डेयरी विभाग, भारत सरकार को विशेष धन्यवाद है, जिन्होंने संपूर्ण स्वास्थ्य प्रमाणन और संगरोध निरीक्षण किए और इस प्रकार अंतरराष्ट्रीय यात्रा के लिए जानवरों की उपयुक्तता सुनिश्चित की। हम भारत में जापान के दूतावास और वाणिज्य दूतावास के प्रति उनकी राजनयिक सुविधा, डॉक्यूमेंटेशन और पूरी प्रक्रिया में सहयोग के लिए आभारी हैं। दोनों देशों के बीच सुचारू समन्वय सुनिश्चित करने में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रही। हम निर्बाध परिवहन और समय पर माल की आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए गोट्रेड फार्मिंग कंपनी लिमिटेड और ग्लोबल कार्गो सर्विसेज के उत्कृष्ट लॉजिस्टिक प्रबंधन की सराहना करते हैं। उन्होंने बताया, इस उपलब्धि के केंद्र में बन्नेरुघट्टा जैविक उद्यान की समर्पित टीम, हमारे पशु चिकित्सक, महावत और सहायक कर्मचारी हैं, जिनके अथक प्रयासों ने हर स्तर पर हाथियों के स्वास्थ्य, आराम और सुरक्षा को सुनिश्चित किया। हम हिमेजी सेंट्रल पार्क टीम के सहयोग, तैयारी और आगमन पर जानवरों के गर्मजोशी से स्वागत के लिए उनकी सराहना करते हैं।

रेलवे की सभी ज़रूरतों के लिए रेलवन मोबाइल ऐप

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। दक्षिण पश्चिम रेलवे के बेंगलूरु जनसम्पर्क अधिकारी प्रणेश केएन ने एक विज्ञप्ति में बताया कि रेल यात्रा को और अधिक सुविधाजनक, कुशल और यात्री-अनुकूल बनाने के लिए, भारतीय रेलवे ने रेलवन लॉन्च किया है। एक व्यापक ऑल-इन-वन मोबाइल एप्लिकेशन जो कई रेलवे सेवाओं को एक ही डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर एकीकृत करता है। रेलवन अब सभी यात्रियों के उपयोग के लिए उपलब्ध है। दक्षिण पश्चिम रेलवे का बेंगलूरु डिवीजन सभी को इस शक्तिशाली नए ऐप का पूरा लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित करता है। चाहे आप लंबी दूरी की यात्रा की योजना बना रहे हों या रोज़ाना यात्रा कर रहे हों, रेलवन आपकी यात्रा के हर चरण को आसान बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह एकीकृत प्लेटफ़ॉर्म आईआरसीटीसी रेल कनेक्ट, यूटीएस ऑन मोबाइल, एनटीईएस, रेल मदद और फ़ूड ऑन ट्रैक जैसी सुविधाओं को एक साथ लाता है।

रेलवन के साथ, यात्री आरक्षित और अनारक्षित दोनों टिकट बुक कर सकते हैं, ट्रेन की लाइव स्थिति देख सकते हैं, पीएनआर अपडेट देख सकते हैं, कोच की स्थिति जान सकते हैं, खाने का ऑर्डर दे सकते हैं, शिकायत दर्ज कर सकते हैं, रिफंड प्रबंधित कर सकते हैं अर्थात सब कुछ एक ही जगह पर। आईआरसीटीएस और यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप के मौजूदा उपयोगकर्ता बिना किसी अलग पंजीकरण के, अपने मौजूदा क्रेडेंशियल्स का उपयोग करके सीधे लॉग इन कर सकते हैं। रेलवन की एक प्रमुख विशेषता इसका भारतीय रेलवे की आंतरिक डिजिटल भुगतान प्रणाली, आर-वॉलेट के साथ एकीकरण है। सुरक्षित और उपयोग में आसान, आर-वॉलेट ऐप के माध्यम से बुक किए गए अनारक्षित टिकटों पर 3 प्रतिशत की छूट भी प्रदान करता है, जिसमें भुगतान बायोमेट्रिक या एमपिन के माध्यम से प्रमाणित होता है। रेलवन गूगल प्ले स्टोर और ऐप्पल ऐप स्टोर दोनों पर डाउनलोड के लिए उपलब्ध है। सभी यात्रियों को इस ऐप को इंस्टॉल करने और अपनी सभी रेलवे संबंधी ज़रूरतों के लिए इसका उपयोग शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

सेंट्रल यूनिवर्सिटी की छात्राओं को जबरन हिजाब पहनाने का आरोप

कलबुर्गी। कर्नाटक में कलबुर्गी सेंट्रल यूनिवर्सिटी की छात्राओं को फील्ड ट्रिप के दौरान हिजाब पहनने को मजबूर करने का मामला तूल पकड़ रहा है। हैदराबाद के एक एनजीओ, 'लीगल राइट्स प्रोटेक्शन फोरम' ने यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार रुद्र गौड़ा पाटिल, को एक पत्र लिखकर इसका जवाब मांगा है। शिकायती खत में लिखा गया, हिस्ट्री और आर्कियोलॉजी के असिस्टेंट प्रोफेसर अब्दुल मजीद ने जानबूझकर फील्ड ट्रिप के दौरान मुस्लिम स्मारकों का दौरा करवाया और एक मजार में जाने से पहले छात्राओं को सिर ढकने को कहा। इस फील्ड ट्रिप में कलबुर्गी और बीदर के स्टूडेंट्स को शामिल किया गया था।

इस शिकायत के जवाब में यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार रुद्र गौड़ा पाटिल ने कहा, 26 जुलाई को विश्वविद्यालय को एएस संतोष की एक शिकायत प्राप्त हुई। वे हैदराबाद स्थित लीगल राइट्स फोरम के महासचिव हैं, और उन्होंने कहा है कि विश्वविद्यालय में इतिहास और पुरातत्व के छात्र प्रोफेसर राजी माजिद अब्दुल माजिद ने, फील्ड ट्रिप पर गए के दौरान कुछ छात्राओं को हिजाब पहनने के लिए मजबूर किया। इसलिए, इस साथी संतोष की ओर से यह शिकायत प्राप्त हुई है। विश्वविद्यालय नियमानुसार, एक जांच समिति गठित करेगा और उसके अनुसार, हम कार्रवाई करेंगे। इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के सहायक प्रोफेसर अब्दुल मजीद पर फील्ड ट्रिप के दौरान छात्राओं को हिजाब पहनने के लिए मजबूर करने का आरोप लगा है। इस फील्ड ट्रिप में कलबुर्गी और बीदर जिलों के छात्र शामिल थे, और कथित तौर पर मुस्लिम समुदाय से जुड़े स्थानों पर ज्यादा ध्यान केंद्रित किया गया था।

विधि एवं अधिकार संरक्षण मंच ने केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बट्टू सत्यनारायण के समक्ष सहायक प्रोफेसर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। विश्वविद्यालय ने मामले की जांच के लिए एक जांच समिति गठित की है। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार रुद्र गौड़ा पाटिल ने आश्वासन दिया है कि जांच समिति की ओर से प्रस्तुत रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

अगर खरगे कर्नाटक की राजनीति में लौटना चाहते हैं तो इसमें कुछ भी गलत नहीं : परमेश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने मंगलवार को कहा कि अगर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे राज्य की राजनीति में लौटना चाहते हैं, तो इसमें कुछ भी गलत नहीं है। परमेश्वर ने यह टिप्पणी खरगे के उस बयान जिसमें कांग्रेस अध्यक्ष ने याद दिलाया था कि कैसे 1999 के कर्नाटक विधानसभा चुनावों के बाद उन्होंने एसएम कृष्णा के हाथों मुख्यमंत्री पद गंवा दिया था, को लेकर पूछे गए एक सवाल पर की। वरिष्ठ कांग्रेस नेता परमेश्वर ने कहा कि खरगे की टिप्पणी की गलत व्याख्या करना ठीक नहीं है।

खरगे की टिप्पणी ने कांग्रेस में नेतृत्व परिवर्तन और कर्नाटक की राजनीति में उनकी वापसी की अटकलों को तेज कर दिया है। उनकी टिप्पणी से कांग्रेस में दलित मुख्यमंत्री की चर्चा को भी फिर से हवा मिल गई है, जिसके बारे में पार्टी के वरिष्ठ नेता परमेश्वर और एचसी महादेवप्पा पहले ही खुलकर बोल चुके हैं। कर्नाटक से ताल्लुक रखने वाले खरगे अनुसूचित जाति (एससी) से आते हैं।

परमेश्वर ने संवाददाताओं से कहा, खरगे न सिर्फ हमारी पार्टी के, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति में भी एक वरिष्ठ नेता हैं। उन पर टिप्पणी करना उचित नहीं है। खरगे हर तरह के पद संभालने के लिए सक्षम हैं; उनके पास अनुभव है और वह लगभग 50 साल से राजनीति में सक्रिय हैं।

अगर वह कुछ कहते हैं, तो उसकी गलत व्याख्या करना ठीक नहीं है। यह पूछे जाने पर कि कुछ लोग खरगे के कर्नाटक की राजनीति में वापसी करने की चर्चा कर रहे हैं, परमेश्वर ने कहा, इसमें कुछ भी गलत नहीं है। वह हमारी पार्टी में निर्णायक पद पर हैं। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) का अध्यक्ष होने के नाते खरगे ही तय करते हैं कि मुख्यमंत्री कौन होना चाहिए। इसलिए, अगर वह राज्य की राजनीति में लौटना चाहते हैं, तो किसी को भी इसका गलत

मतलब नहीं निकालना चाहिए।

खरगे ने रविवार को विजयपुरा में आयोजित एक कार्यक्रम में 1999 के उस घटनाक्रम को याद किया था, जब कांग्रेस के कर्नाटक में सत्ता में आने के बाद उन्हें एसएस कृष्णा के हाथों मुख्यमंत्री पद गंवाना पड़ा था। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा था, (1999 के विधानसभा चुनावों से पहले) सीएलपी (कांग्रेस विधायक दल) के नेता के रूप में मैंने कांग्रेस को सत्ता में लाने की कोशिश की, पार्टी ने सरकार बनाई और एसएम कृष्णा मुख्यमंत्री नियुक्त किए गए। वह कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष के रूप में (चुनावों से) चार महीने पहले ही आए थे... मेरी सारी मेहनत पानी में बह गई। मुझे लगा कि मैंने पांच साल मेहनत की, लेकिन जो व्यक्ति चार महीने पहले आया था, उसे मुख्यमंत्री बना दिया गया। खरगे ने कहा था, मैं यह कहना चाह रहा हूं कि हमें मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन हमें बिना लालच के काम करते रहना चाहिए। अगर आप लालची हैं, तो आपको कुछ नहीं मिलेगा, साथ ही आप वो नहीं कर पाएंगे, जो आपके मन में है। मैं इन सब चीजों से गुजरते हुए आज एक ब्लॉक अध्यक्ष से एआईसीसी अध्यक्ष बन गया हूं। मैं कभी पद के पीछे नहीं भागा।

महादेवप्पा ने भी सोमवार को कांग्रेस अध्यक्ष के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा था, खरगे देश के वरिष्ठ नेताओं में से एक हैं और उनमें किसी भी संवैधानिक पद पर आसीन होने के लिए सभी आवश्यक गुण हैं। हमारी इच्छा है कि उन्हें ऐसा अवसर जरूर मिलना चाहिए। महादेवप्पा ने कांग्रेस के दलित मुख्यमंत्रियों दामोदरम संजीवय्या, सुशील कुमार शिंदे, जगन्नाथ पहाड़िया और राम सुंदर दास का नाम लेते हुए कहा था, पार्टी समय आने पर उचित निर्णय लेगी और सभी उसका पालन करेंगे। हालांकि, खरगे के बेटे और कर्नाटक के आईटी मंत्री प्रियंक खरगे ने सोमवार को अटकलों को कम करने की कोशिश करते हुए कहा था कि उनके पिता बस अपने राजनीतिक जीवन के उतार-चढ़ावों को साझा कर रहे थे और उनके भाषण को समग्र रूप में देखा जाना चाहिए। प्रियंक खरगे ने यह भी स्पष्ट किया कि उन्हें कोई पछतावा नहीं है। उन्होंने कहा, कलबुर्गी और कर्नाटक के लोगों के आशीर्वाद से वह उस पद पर हैं, जिस पर सुभाष चंद्र बोस और गांधीजी बैठे थे... उन्हें अपने राजनीतिक भविष्य के बारे में जो भी फैसला करना है, वह खुद करेंगे। उन्होंने वह सम्मान और प्रतिष्ठा अर्जित की है। उनका आलाकमान के साथ अच्छा रिश्ता है। वह जो भी फैसला करेंगे, राहुल गांधी, सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी उसे स्वतः स्वीकार कर लेंगे।

भारत सरकार
विद्युत मंत्रालय

दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) के तीन पदों, नामत: (i) अध्यक्ष, डीवीसी (ii) सदस्य-सचिव, डीवीसी और (iii) सदस्य (वित्त), डीवीसी, को प्रतिनियुक्ति के आधार पर पाँच (05) वर्षों की अवधि के लिए भरने हेतु आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। इच्छुक और पात्र उम्मीदवार 'रोजगार समाचार' में इस विज्ञापन के प्रकाशन की तिथि से 30 (तीस) दिनों के भीतर उचित माध्यम से अपना आवेदन भेजकर उक्त पदों के लिए आवेदन कर सकते हैं।

विस्तृत विज्ञापन विद्युत मंत्रालय (powermin.gov.in) और दामोदर घाटी निगम (www.dvc.gov.in) की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

(जे. मिश्रा)
अवर सचिव, भारत सरकार

INF&PR/CPRO/127/25-26

वसुंधराराजे की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात के बाद सियासी हलचल तेज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दिल्ली/जयपुर। राजस्थान की राजनीति एक बार फिर नई हलचल के दौर में है। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात ने राजनीतिक अटकलों को हवा दे दी है। इस मुलाकात को केवल शिष्टाचार भेंट नहीं माना जा रहा, बल्कि इसे भविष्य की रणनीति से जोड़कर देखा जा रहा है। राजनीतिक गलियारों में इसे उस लंबे सिलसिले की अगली कड़ी माना जा रहा है, जहां मुलाकातें संकेत बनकर उभरती हैं। वसुंधरा राजे को लेकर पिछले कुछ समय से चर्चा थी कि उन्हें किसी बड़े संवैधानिक पद पर भेजा जा सकता है। वर्ष 2022 में उपराष्ट्रपति पद की दौड़ में उनका नाम प्रमुखता से सामने आया था, लेकिन अंतिम क्षणों में जगदीप धनखड़ को मौका मिला।

अब धनखड़ के इस्तीफे के बाद यह पद फिर से खाली हुआ है। ऐसे में पार्टी के भीतर यह विचार चल रहा है कि राजस्थान से किसी वरिष्ठ नेता को उपराष्ट्रपति बनाकर जाट समुदाय को साधा जाए। लोग कयास लगा रहे हैं कि वसुंधरा राजे और ओम माथुर इस दौड़ में शामिल हैं, लेकिन वसुंधरा राजे या उनके समर्थकों की ओर से इस बारे में कोई संकेत नहीं दिया गया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी बीते दिनों दिल्ली में सक्रिय रहे। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के अलावा केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर और जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल से मुलाकात की। इन मुलाकातों को राज्य में चल रही विकास योजनाओं और केंद्रीय सहयोग से जोड़कर देखा जा रहा है। लेकिन प्रधानमंत्री से वसुंधरा राजे की मौजूदगी में मुलाकात को पार्टी के अंदर समन्वय और संतुलन साधने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह मुलाकात दोहरे संकेत दे रही हैएक ओर यह वसुंधरा राजे की संभावित राष्ट्रीय भूमिका का संकेत हो सकती है, तो दूसरी ओर राजस्थान की राजनीति में संतुलन साधने की कवायद भी मानी जा सकती है। वसुंधरा खेमे के नेताओं में लंबे समय से यह नाराज़गी है कि सरकार बनने के डेढ़ साल बाद भी उन्हें अपेक्षित प्रतिनिधित्व नहीं मिला। मंत्रिमंडल विस्तार और राजनीतिक नियुक्तियों के लिए भी यह मुलाकात अहम मानी जा रही है। जानकारों का कहना है कि वसुंधरा अपने खेमे के नेताओं के लिए हिस्सेदारी सुनिश्चित करना चाहती हैं।

धनखड़ के जाने के बाद बीजेपी के लिए जाट समुदाय को साधना एक बड़ी चुनौती बन सकता है। ऐसे में पार्टी को ऐसा चेहरा चाहिए जो पूरे राज्य में प्रभाव रखता हो और जो जाट सहित अन्य प्रभावशाली समुदायों में स्वीकार्य भी हो। इस कसौटी पर वसुंधरा राजे का नाम स्वाभाविक रूप से चर्चा में आता है। राजनीति में मुलाकातें अक्सर इत्तेफाक नहीं होतीं। मोदी और वसुंधरा की यह बैठक भी एक संकेत हो सकती हैया तो एक संभावित राष्ट्रीय जिम्मेदारी का, या फिर राजस्थान में पार्टी संगठन और सरकार के बीच नया राजनीतिक संतुलन साधने की रणनीति का। अब देखना यह है कि दिल्ली की इस मुलाकात का असर राजस्थान की सियासत में कब और कैसे दिखता है।

वन मंत्री ने किया रणथंभौर की 'मछली लेडी ऑफ द लेक्स' बाघिन को समर्पित स्मारक का अनावरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। ग्लोबल टाइगर डे, 29 जुलाई के अवसर पर मंगलवार को वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने रणथंभौर टाइगर रिजर्व की गौरवशाली और विश्वविख्यात बाघिन ''मछली'' (टी-16) को चिरस्थायी स्मृति देने हेतु जोगी महल गेट, रणथम्भौर पर भव्य स्मारक का अनावरण किया। वन राज्यमंत्री ने ग्लोबल टाइगर डे की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रणथम्भौर टाईगर रिजर्व राज्य के वन्य जीव पर्यटन मानचित्र का बड़ा सिम्बल है। इसके संरक्षण एवं संवर्धन के लिए राज्य सरकार संकल्पबद्ध है। रणथम्भौर टाईगर रिजर्व क्षेत्र को आबाद करने में बाघिन मछली (टी-16) की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

उन्होंने कहा कि देश में टाईगर का यह द्वितीय स्मारक है। वन विभाग की ओर से यह स्मारक बाघिन मछली (टी-16) को सच्ची श्रद्धांजलि है। शावको के साथ मछली प्रदर्शित करता यह स्मारक न केवल उसकी विरासत को जीवंत करता है बल्कि रणथंभौर भ्रमण पर आने वाले पर्यटकों एवं त्रिनेत्र गणेश मंदिर के श्रद्धालुओं के लिए वन्यजीव संरक्षण की एक प्रेरणास्पद झलक भी प्रस्तुत करेगा।

उल्लेखनीय है कि रणथम्भौर की सबसे प्रसिद्ध बाघिन मछली (टी-16) का जन्म 1997 में हुआ। अपने चेहरे पर मछली जैसी आकृति के कारण उसे यह नाम मिला और वर्षों तक पदम तालाब, राजबाग और मलिक तालाब जैसे झीलों वाले क्षेत्र पर नियंत्रण रखने के कारण लेडी ऑफ द लेक्स एवं एक विशाल मगरमच्छ को परास्त कर क्रोकोडाइल किलर भी कहलाई। मछली ने 5 बार शावकों को जन्म दिया और 2004-05 के शिकार संकट के समय रणथंभौर को पुनः आबाद किया। रणथंभौर की वर्तमान बाघ आबादी का एक बड़ा हिस्सा मछली के वंशजों से बना है जिनमें सुंदरी (टी-17) और ऐरोहेड (टी-84) जैसे नाम शामिल हैं। मछली की ही संतान बाघिन एसटी-2 राजमाता ने अलवर के सरिस्का को आबाद किया। 2016 में लगभग 19 वर्षों की आयु में मछली का देहांत हुआ, जो किसी जंगली बाघिन के लिए अभूतपूर्व आयु मानी जाती है। बाघिन मछली के जीवन पर बनी डॉक्यूमेंट्री ''द वर्ल्डर्स मोस्ट फेमस टाइगर'' को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी प्राप्त हुआ। वर्ष 2013 में भारत सरकार ने मछली पर स्मारक डाक टिकट जारी कर उसे राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया।

कार्यक्रम में नवचयनित 107 वन्यजीव गाइड को प्रशिक्षण समापन प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए गए। वन्यजीव गाइड खुश बैरवा (विस्थापन श्रेणी) और उमेश सैनी (ईडीसी श्रेणी) को रणथंभौर संरक्षण में उत्कृष्ट योगदान हेतु सम्मानित किया गया। इस अवसर पर शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत इस वर्ष 10 करोड़ पौधे लगाने का संकल्प लेकर हरियाली को जन आंदोलन बना रही है।

यह पहल भविष्य के हरित राजस्थान की नींव बनेगी। खण्डार विधायक जितेंद्र गोठवाल ने गणेश मेले से पूर्व किला परिसर में दीवार निर्माण एवं मरम्मत व परिक्रमा मार्ग की सुरक्षा व्यवस्थाओं पर अधिकारियों से चर्चा कर व्यवस्थाएं सुदृढ़ करने पर बल दिया।

उन्होंने बाघ विस्थापन, स्थानीय वन विकास व संरक्षण योजनाओं पर भी सार्थक सुझाव दिए। कार्यक्रम से पूर्व आलनपुर में रणथंभौर टाइगर रिजर्व की नवीन नर्सरी का उद्घाटन कर वन राज्य मंत्री संजय शर्मा, विधायक जितेन्द्र गोठवाल, जिला कलक्टर कानाराम, पुलिस अधीक्षक अनिल बेनीवाल एवं अन्य अतिथियों द्वारा सिन्दूर, अशोक और कदम के पौधे लगाए गए।

इस अवसर पर पूर्व विधायक मानसिंह गुर्जर, पीसीसीएफ शिखा मेहरा, एपीसीसीएफ डॉ. राजेश गुप्ता, सीसीएफ अनूप के.आर., डीसीएफ रामानंद भाकर एवं डीसीएफ प्रमोद धाकड़ सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय वैज्ञानिक और तकनीकी अनुसंधान द्वारा युवाओं में तार्किक एवं रचनात्मक क्षमता विकसित करें : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि ज्ञान का परिदृश्य पूरे विश्व में तेजी से परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है, वैज्ञानिक और तकनीकी अनुसंधान के चलते विश्वभर में कुशल कामगारों की जरूरत और मांग बढेगी। युवाओं को तार्किक एवं रचनात्मक रूप से सोचते हुए विविध विषयों के बीच अर्न्तसंबंधों और बदलती परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को तैयार करना होगा। राज्यपाल बागड़े मंगलवार को भरतपुर जिले के बीडीए ऑडिटोरियम में महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय के पंचम दीक्षान्त समारोह में सम्बोधित कर रहे थे।

राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों में बौद्धिक क्षमता के आंकलन की सुव्यवस्थित पद्धति होनी चाहिए जिससे युवाओं के कौशल एवं ज्ञान का पारदर्शिता से आंकलन हो सके। उन्होंने कहा कि शिक्षा एक बीज की भांति है जो निरंतर जीवन को निखारने का कार्य करती है। जिस प्रकार बीज एक पेड़ बनकर समाज को ऑक्सीजन, फल, फूल, छाया, ईंधन आदि देने का कार्य करता है उसी प्रकार शिक्षा प्राप्त करने वाले को भी अपनी ज्ञान का उपयोग समाज की प्रगति में करना चाहिये। शिक्षा का उद्देश्य जीविकोपार्जन तक सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि इसका उपयोग समाज को दिशा देने एवं उत्थान के लिए होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति एवं पुरातन शिक्षा पद्धति विश्वभर में अग्रणी रही है, उच्च शिक्षा के लिए गुरूकुल परम्परा शोध, अनुसंधान के साथ जीवन के सर्वांगीण विकास का आधार होती थी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों में हमारी पुरातन संस्कृति एवं शिक्षा को संरक्षित करते हुए शोध कार्य को प्रोत्साहन मिले इस दिशा में कार्य करना चाहिए। अनुसंधान नये ज्ञान का सृजन करता है इसे समाज के उत्थान में काम लेकर युवा देश के विकास में भागीदार बनें।

बागड़े ने विश्वविद्यालय के शिक्षाविदों को आव्हान किया कि शिक्षा को उन्मुक्त बनाकर अधिक से अधिक फैलाऐं, जितना विस्तार होगा युवाओं में उतना ही बौद्धिक क्षमता का विकास होगा। उन्होंने कहा कि युवाओं को हमारी संस्कृति एवं अनुसंधान पद्धति पर गर्व हो इसके लिए विश्वविद्यालयों को कार्य योजना बनाकर आगे बढने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि न्यूटन ने गुरूत्वाकर्षण का सिद्धांत 16 वीं सदी में दिया था जबकी भास्कराचार्य ने लीलावती ग्रंथ में काफी पहले ही सौरमंडल में गुरूत्वाकर्षण के बारे में बता दिया था। उन्होंने कहा कि जब विश्व में उच्च शिक्षा के लिए 6 विश्वविद्यालय हुआ करते थे उस समय भारत में दो विश्वविद्यालय नालंदा एवं तक्षशिला विद्यमान थे जिनमें विदेशी विद्यार्थी भी विद्या प्राप्त करने आते थे। उन्होंने कहा कि समारोह में बालिकाओं की संख्या अधिक है हर क्षेत्र में नारी शक्ति अपनी पहचान सिद्ध कर रही है।

उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि विश्वविद्यालय ज्ञान का प्रकाश फैलाने वाले आलोक रहे हैं यहीं से ज्ञान का प्रकाश विद्यार्थियों के जरिये चहुंओर फैलता है। उन्होंने कहा कि आचार्य शास्त्रों के ज्ञान के सत्य को अपने विद्यार्थियों में संप्रेषित कर उन्हें बौद्धिक सामर्थ्य के साथ तैयार करें जिससे समाज को नई दिशा मिल सके। इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रोफेसर त्रिभुवन शर्मा ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी।

नवनिर्मित स्कूल भवनों में प्रारंभ करें कक्षाएं, उद्घाटन का नहीं करें इंतजार : दिलावर

जयपुर। राजस्थान के शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने प्रदेश में स्कूल भवन अथवा नवनिर्मित कक्षा कक्षों में कक्षाएं लगाना प्रारंभ करने के निर्देश दिए हैं। दिलावर ने प्रदेश में सभी संस्था प्रधानों एवं जिला शिक्षा अधिकारियों को यह निर्देश दिए है कि वे इसके लिए नवनिर्मित भवन के उद्घाटन का इंतजार नहीं करें।

उन्होंने कहा कि सरकार प्रदेश के स्कूल भवनों का सर्वे कर रही है तथा जो जर्जर या खतरनाक स्थिति में है उनमें कक्षाएं न लगाने के लिए निर्देश दे चुकी है और बरसात के मौसम के मद्देनजर अतिरिक सावधानी की आवश्यकता है। संस्था प्रधान अपने स्तर पर भी बच्चों की सुरक्षा को लेकर संवेदनशील रहे। किसी तरह की कोई लापरवाही नहीं करे। उन्होंने कहा कि विद्यालय में नवनिर्मित कक्षा कक्षों एवं भवन का उपयोग तत्काल शुरू करे। उद्घाटन करने का इंतजार नहीं करे। नवनिर्मित कमरों में कक्षाएं संचालित करे। बच्चों की सुरक्षा को लेकर किसी प्रकार की गफलत में ना रहे। हर स्तर पर बच्चों की सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण द्वारा राजस्थान के 2746 स्कूलों में शौचालय निर्माण कराए जाएंगे। इसके लिए निदेशालय स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण ने 31 जुलाई तक राजकीय विद्यालयों में आवश्यकता अनुसार शौचालय निर्माण की समस्त स्वीकृतियां भेजने के आदेश दिए हैं। गत दिनों दिलावर की अध्यक्षता में आयोजित पंचायती राज विभाग की बैठक में दिलावर ने निर्देश दिए थे कि राज्य के 4283 राजकीय विद्यालयों में 5840 शौचालय निर्माण की आवश्यकता है।

प्रेमचंद बैरवा का सुरक्षाकर्मी दुर्घटना का शिकार, एक की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । राजस्थान के डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा की सुरक्षा में तैनात दो जवानों की मंगलवार सुबह ड्यूटी के दौरान जयपुर में सड़क दुर्घटना हो गई। एमआई रोड पर हुए इस हादसे में एक जवान की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल है और उसका इलाज एसएमएस हॉस्पिटल के ट्रॉमा सेंटर में जारी है। जानकारी के अनुसार दोनों जवान रामवतार और मनोज मीणा डिप्टी सीएम के भरतपुर दौरे के लिए ड्यूटी पर जा रहे थे। सुबह करीब 8 बजे गवर्नमेंट चौराहे के पास उनकी बाइक हादसे का शिकार हो गई। मौके पर मौजूद लोगों और पुलिस ने दोनों को तत्काल एसएमएस ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया।

ट्रोमा सेंटर इंचार्ज डॉ. अनुराग धाकड़ के अनुसार, रामवतार की हालत अत्यंत नाजुक थी। एक्सीडेंट में उसकी हृदय की मुख्य धमनियों में गंभीर चोट आई थी। तमाम प्रयासों के बावजूद डॉक्टर उसे नहीं बचा सके। वहीं, मनोज मीणा की स्थिति स्थिर बताई जा रही है और वह डॉक्टरों की निगरानी में है।

दुर्घटना की सूचना मिलते ही उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा स्वयं अस्पताल पहुंचे। उन्होंने डॉक्टरों से दोनों जवानों की हालत की जानकारी ली और बेहतर इलाज के निर्देश दिए। प्रेमचंद बैरवा मंगलवार को भरतपुर विकास प्राधिकरण के ऑडिटोरियम में आयोजित महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल होने जा रहे थे। उसी ड्यूटी के सिलसिले में दोनों जवान सफर पर निकले थे। यह हादसा न केवल जवानों के लिए बल्कि पूरे प्रशासनिक अमले के लिए दुखद और चिंतन का विषय बन गया है। जवान की कर्तव्य के प्रति निष्ठा और बलिदान को समाज कभी भुला नहीं पाएगा।

भारी बारिश से कई जिलों में जलभराव

जयपुर। राजस्थान के कई जिलों में लगातार भारी बारिश के कारण जलभराव एवं बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं। राज्य की कई नदियां उफान पर हैं और पानी निकालने के लिए बांधों के गेट खोलने पड़े हैं। लगातार बारिश से सबसे अधिक प्रभावित जिलों में कोटा, बूंदी, झालावाड़, धौलपुर एवं टोंक शामिल हैं। कई बांधों से पानी छोड़े जाने के कारण निचले इलाकों में बसे गांव जलमग्न हो गए हैं। इसी तरह परवन नदी के उफान पर होने के कारण बारां-झालावाड़ राजमार्ग भी बंद है। झालावाड़ में भवानीमंडी के कई गांव रेवा नदी के उफान पर होने के कारण जलमग्न हो गए हैं।

झालावाड़ के जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ट्रैक्टर पर सवार होकर प्रभावित इलाकों में पहुंचे। भारी बारिश के कारण बूंदी, उदयपुर और दौसा में हुए हादसों में स्कूल, घर और सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। उदयपुर के कोटड़ा की पीपला ग्राम पंचायत के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के दो कमरे सोमवार रात ढह गए। मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार सुबह साढ़े आठ बजे तक पिछले चौबीस घंटे में कई जगह हल्की से भारी बारिश दर्ज की गई। सर्वाधिक बारिश अटरू (बारां) में (109.0 मिलीमीटर) दर्ज की गई। इस दौरान सर्वाधिक अधिकतम तापमान गंगानगर में (40.3 डिग्री सेल्सियस) दर्ज किया गया। मौसम केंद्र, जयपुर के अनुसार मंगलवार को दक्षिण-पूर्वी एवं उत्तर-पूर्वी राजस्थान के कुछ भागों में भारी, अतिभारी और कहीं-कहीं अत्यंत भारी बारिश होने की प्रबल संभावना है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से की मुलाकात, राजस्थान के विकास पर चर्चा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से मिलकर राजस्थान के विकास पर चर्चा की। सीएम ने उनके दूरदर्शी नेतृत्व एवं निरंतर सहयोग के लिए राजस्थान की ओर से हृदय से आभार व्यक्त किया। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों में भारत ने नई ऊंचाइयों को छूते हुए विश्वपटल पर अग्रणी राष्ट्र के रूप में स्वयं को स्थापित किया है। उनके कुशल मार्गदर्शन में पिछले डेढ़ वर्ष से राजस्थान निरंतर विकास की सभी बाधाओं को पार करता जा रहा है और नई ऊंचाइयां छू रहा है।

हमारी डबल इंजन की सरकार लगातार राजस्थान को एक आदर्श राज्य बनाने की दिशा में कार्य कर रही है, जहां प्रत्येक किसान, युवा, महिला, गरीब और वंचित वर्ग को न्याय मिल रहा है और वे अपनी पूर्ण क्षमता के साथ सम्मान युक्त जीवन जी रहे हैं।प्रधानमंत्री मोदी ने आने वाले समय में राजस्थान को और अधिक सहयोग देने का आश्वासन दिया है।

पीएम मोदी के नेतृत्व में आतंकवाद के खिलाफ कड़े कदम उठाए गए: जोगाराम पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल ने केंद्र और राज्य सरकार की उपलब्धियों की सराहना की। उन्होंने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने आतंकवाद के खिलाफ मजबूत कदम उठाए हैं और देश की सरहदों की रक्षा की है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस ने विदेश नीति के जानकार नेता मनीष तिवारी को जानबूझकर महत्वपूर्ण मंचों पर बोलने से रोका, ताकि भारत के सैन्य अभियानों और आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाइयों की सच्चाई सामने न आए। जोगाराम पटेल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने हमेशा देशवासियों के सामने तथ्यों को पारदर्शी तरीके से रखा है। 1948 से 1971 तक कांग्रेस ने अपने शासनकाल में भारत के कई क्षेत्रों को विदेशी ताकतों के हाथों सौंप दिया, चाहे वह बांग्लादेश युद्ध हो या चीन के साथ युद्ध। इसके विपरीत, पीएम मोदी ने विश्व स्तर पर भारत का मान बढ़ाया और देश की एकता व अखंडता को मजबूत किया। गाजा जैसे मुद्दों पर किसी को भी भारत के खिलाफ बोलने का अधिकार नहीं है। मंत्री ने पीएम मोदी को विश्व के सर्वमान्य नेता बताते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में भारत अखंडता की दिशा में आगे बढ़ रहा है। ईश्वर से प्रार्थना की कि पीएम मोदी को इस लक्ष्य को प्राप्त करने की शक्ति मिले। प्रधानमंत्री इस दिशा में दिन-रात अथक परिश्रम कर रहे हैं। राजस्थान के संदर्भ में जोगाराम पटेल ने बताया कि राज्य के लगभग सभी बांध अब पूरी तरह भर चुके हैं और कई बांधों के गेट खोल दिए गए हैं, जिससे वे ओवरफ्लो हो रहे हैं। उन्होंने इसका श्रेय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दृढ़ संकल्प और उनकी ईश्वर के प्रति भक्ति को दिया और कहा, जहां भक्ति है, वहां ईश्वर की कृपा है।

जैसलमेर जिले में स्कूल हादसा मामले में कार्यवाहक प्रिंसिपल सुमन बाला निलंबित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। राजस्थान में जैसलमेर के पूनम नगर स्कूल हादसे के बाद जिले के सभी सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों एवं आंगनवाड़ी केंद्रों में ग्राउंड ऑडिट के लिए 29 से 31 जुलाई तक अवकाश घोषित कर दिया गया है वहीं इस मामले में स्कूल की कार्यवाहक प्रिंसिपल सुमन बाला को निलंबित कर दिया गया है। सीडीईओ शंकर सिंह उदावत ने बताया कि जिला प्रशासन ने निर्णय लिया है कि 29 से 31 जुलाई तक जैसलमेर जिले के सभी राजकीय एवं निजी विद्यालयों सहित समस्त आंगनवाड़ी केन्द्रों में विद्यार्थियों के लिए अवकाश रहेगा।

इस दौरान सभी विद्यालयों की ग्राउंड ऑडिट की जाएगी जो विद्यालय फिट होंगे उसी को वापस खोलने के आदेश दिए जायेंगे। उन्होंने बताया कि विद्यालय एवं आंगनवाड़ी भवनों की गहनता से जांच की जाएगी, जिसमें भवनों की संरचनात्मक स्थिरता, प्रवेश द्वार, शौचालय, चारदीवारी, छत तथा अन्य भौतिक सुविधाओं की स्थिति का निरीक्षण किया जाएगा।

संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया है कि निरीक्षण कार्य समयबद्धता एवं गंभीरता से पूर्ण कर आवश्यक रिपोर्ट जिला प्रशासन को प्रस्तुत करें। उन्होंने बताया कि जो स्कूल पूरी तरह सुरक्षित होंगे उन्हीं में विद्यायल संचालित हो सकेंगे। उन्होंने बताया कार्यवाहक प्रधानाचार्य सुमन बाला (मूल पद वरिष्ठ अध्यापक) , राबाउमावि हाबूर पंचायत समिति सम, जिला-जैसलमेर में कार्यरत रहने के दौरान विद्यालय का प्रवेश द्वार के कुछ समय पूर्व क्षतिग्रस्त होने के बाद इसका मलबा एक तरफ हटाने के उपरांत भी एक क्षतिग्रस्त पीलर को यथास्थान छोड़ दिया गया। साथ ही इसके लिये कोई सुरक्षात्मक उपाय नहीं किये गये। विद्यालय में वैकल्पिक प्रवेश द्वार होने के बावजूद छात्राओं का आवागमन इस क्षतिग्रस्त द्वार से ही होने के कारण सोमवार को स्कूल प्रवेश द्वार के पीलर गिर जाने से राउमावि, पूनमनगर के एक छात्र की मृत्यु हुई।

श्रीमती सुमन बाला, कार्यवाहक प्रधानाचार्य द्वारा दायित्व निर्वहन में लापरवाही बरतने, क्षतिग्रस्त पीलर होने के उपरांत भी कोई सुरक्षात्मक उपाय नहीं किये जाने एवं वैकल्पिक द्वारा का उपयोग आवागमन के लिए नहीं किये जाने से यह घटना घटित हुई ।

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने राहुल, प्रियंका गांधी वाड्रा पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे ने लोकसभा में मंगलवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी एवं प्रियंका गांधी वाड्रा पर निशाना साधते हुए कहा कि दोनों नेताओं को पंडित जवाहरलाल नेहरू के बारे में चर्चा होने पर दिक्कत है, लेकिन देश के प्रथम प्रधानमंत्री ने जो कार्य किए हैं, उसे जानने और इस बारे में बात करने का हर देशवासी को अधिकार है।

दुबे ने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर विशेष चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा कि नेहरू भले ही राहुल एवं प्रियंका के परदादा रहे हों लेकिन देश की जनता को उनके (नेहरू के) बारे में जानने और बात करने का अधिकार है। भाजपा सांसद ने लियाकत अली की एक पुस्तक का हवाला देते हुए नेहरू पर शुरू से ही परिवारवादी होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि लियाकत अली भारत में ही रहकर राजनीति करना चाहते थे, लेकिन नेहरू ने अपनी बहन विजय लक्ष्मी पंडित को सोवियत संघ में भारतीय राजदूत नियुक्त किया था, जिससे दु:खी होकर अली ने पाकिस्तान जाने का फैसला किया।

दुबे ने कहा कि जब देश की आजादी के बाद कम से कम 600 रियासतें भारत में विलय हुईं तो नेहरू कश्मीर का मुद्दा अंतरराष्ट्रीय मंच पर क्यों ले गए। भाजपा सांसद ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि 1971 के युद्ध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले फील्ड मार्शल मानेक शॉ को 2007 तक पेंशन नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि तत्कालीन राष्ट्रपति ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने 2008 में पेंशन शुरू की। दुबे ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर में कितने विमान गिरे, इसकी जानकारी मांगने वाली कांग्रेस को यह बताना चाहिए था कि 1962, 1965 और 1971 के युद्ध में हमारे कितने विमान गिरे थे। उन्होंने कहा कि तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने इस बारे में आज तक कोई रिपोर्ट संसद में नहीं रखी।

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को वापस न ले पाने को लेकर भाजपा-नीत सरकार की आलोचना किए जाने की चर्चा करते हुए दुबे ने कहा, हम पीओके लेकर रहेंगे।

राज्यसभा में नड्डा ने अपने शब्द वापस लिए, खरगे से माफी मांगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में मंगलवार को उस समय कांग्रेस सदस्यों ने भारी हंगामा किया जब सदन के नेता जेपी नड्डा ने नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बारे में एक आपत्तिजनक टिप्पणी की। हालांकि नड्डा ने बाद में अपने शब्द वापस ले लिए और खरगे से माफी मांगी। पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर विषय पर सदन में चर्चा के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने अपना लंबा भाषण दिया। उनका भाषण समाप्त होने के बाद नड्डा ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बारे में कुछ ऐसी बातें की हैं, जो उनके जैसे कद के नेता (खरगे) के अनुकूल नहीं है।

भाजपा नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी दुनिया में सबसे लोकप्रिय नेता हैं और न केवल भाजपा बल्कि पूरे देश को इस पर गर्व हैं। नड्डा ने आसन से मांग की कि प्रधानमंत्री के बारे में खरगे के आपत्तिजनक शब्दों को सदन की कार्यवाही से निकाल दिया जाना चाहिए। इसी दौरान उन्होंने एक ऐसा आपत्तिजनक शब्द कहा जिस पर कांग्रेस के सदस्य नाराज हो गए। इस मुद्दे को लेकर सदन में कुछ देर हंगामा हुआ। उस शब्द पर आपत्ति जताते हुए खरगे ने मांग की कि नड्डा को माफी मांगनी चाहिए। नड्डा ने कहा कि वह अपने शब्द वापस लेते हैं और अगर उनके किसी शब्द से खरगे आहत हुए हैं तो वह खेद जताते हैं। उन्होंने कहा, ...मैंने अपने शब्द वापस लिए हैं। आपकी भावना को ठेस पहुंची है तो उसके लिए क्षमा भी मांगता हूं। लेकिन भावावेश में आप भी बहुत बह गए।

प्रधानमंत्री में इंदिरा गांधी का आधा साहस भी है तो बोलें कि ट्रंप ने असत्य बोला : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि अगर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी में इंदिरा गांधी का ''50 प्रतिशत भी साहस'' है तो उन्हें सदन में बोलना चाहिए कि भारत-पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता का दावा करने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने असत्य बात कही है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा में भाग लेते हुए यह आरोप भी लगाया कि सरकार में राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं होने के कारण विमानों का नुकसान हुआ।

उन्होंने कहा, अमेरिकी राष्ट्रपति ने 29 बार कहा है कि उन्होंने युद्धविराम कराया है। अगर वह गलत हैं तो प्रधानमंत्री यहां सदन में कहें कि ट्रंप असत्य बोल रहे हैं। अगर प्रधानमंत्री मं इंदिरा गांधी की तरह साहस है तो वह यहां पर कह दें कि ट्रंप झूठे हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, अगर प्रधानमंत्री में इंदिरा गांधी का 50 प्रतिशत भी साहस है तो ट्रंप के बयान को खारिज कर दें।

अमित शाह को पहलगाम में 'सुरक्षा चूक' की जिम्मेदारी लेनी चाहिए : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

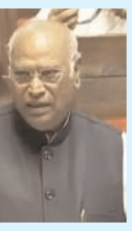

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को कहा कि गृह मंत्री अमित शाह को पहलगाम आतंकी हमले की वजह बनी 'सुरक्षा चूक' की ज़िम्मेदारी लेनी चाहिए।

उन्होंने मांग की कि पहलगाम हमले के लिए जवाबदेही तय की जानी चाहिए और 'जो जिम्मेदार हैं, उन्हें पद छोड़ देना चाहिए। खरगे ''पहलगाम में आतंकवादी हमले के जवाब में भारत के मजबूत, सफल एवं निर्णायक 'ऑपरेशन सिंदूर' पर राज्यसभा में विशेष चर्चा में हिस्सा ले रहे थे। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के उस बयान का हवाला देते हुए सरकार पर हमला बोला जिसमें उन्होंने आतंकी हमले की वजह बनी सुरक्षा चूक को स्वीकार किया था। उन्होंने अमित शाह से सवाल किया, मैं गृह मंत्री से पूछना चाहता हूं कि इसके लिए कौन ज़िम्मेदार है?... जो जिम्मेदार हैं अपना पद छोड़ दें।

मेरी मां के आंसुओं की बात हुई, पर यह नहीं बताया गया कि ऑपरेशन सिंदूर क्यों रुका : प्रियंका गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने मंगलवार को सरकार पर तीखा हमला बोला और कहा कि गृह मंत्री अमित शाह ने इतिहास का पाठ पढ़ाया तथा उनकी मां के आंसुओं तक की बात की, लेकिन यह नहीं बताया कि जब पाकिस्तान ने घुटने टेक दिए थे तो ऑपरेशन सिंदूर को अचानक क्यों रोक दिया गया। प्रियंका ने लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा में भाग लेते हुए यह भी कहा कि उनकी मां सोनिया गांधी के आंसू तब गिरे थे जब उनके पति (राजीव गांधी) को आतंकवादियों ने शहीद किया था।

केरल के वायनाड से लोकसभा सदस्य ने कहा, गृह मंत्री जी ने कहा कि पाकिस्तान के पास शरण में आने के बजाय कोई चारा नहीं था। सवाल है कि आपने शरण दी क्यों? आतंकी हमारे देश में आकर लोगों को मार डालते हैं और आप उन्हें शरण दे रहे हैं। आपने इस बात का जवाब अपने एक भी भाषण में क्यों नहीं दिया?'' प्रियंका गांधी ने कहा, जैसे ही शरण की बात उठी, गृह मंत्री इतिहास में चले गए। वह नेहरू जी, इंदिरा जी से लेकर मेरी मां के आंसुओं तक पहुंच गए। लेकिन इस सवाल का जवाब नहीं दिया कि जंग क्यों रुकी?'' उन्होंने कहा, सदन में मेरी मां के आंसुओं की बात की गई, मैं इसका जवाब देना चाहती हूं। मेरी मां के आंसू तब गिरे, जब उनके पति को आतंकवादियों ने शहीद किया, जब वह सिर्फ 44 साल की थीं। आज मैं इस सदन में खड़ी होकर (पहलगाम हमले में मारे गए) उन 26 लोगों की बात इसलिए कर रही हूं, क्योंकि मैं उनका दर्द जानती हूं और उसे महसूस करती हूं। इससे पहले, सदन में गृह मंत्री ने कहा था, एक सुबह मैंने टीवी पर देखा कि सलमान खुर्शीद रोते-रोते सोनिया गांधी के घर से बाहर आ रहे थे और उन्होंने कहा कि बटला हाउस की घटना देखकर सोनिया जी फूट-फूटकर रो पड़ीं। शाह ने कहा कि रोना था तो शहीद मोहनचंद्र शर्मा के लिए रोते, लेकिन इन्हें बटला हाउस के आतंकवादियों के लिए रोना आता है। कांग्रेस के कुछ सदस्यों के शोर मचाने पर शाह ने कहा, मेरे पास खुर्शीद का वह साक्षात्कार सुरक्षित रखा है और आप कहें तो मैं उसे दिखाने के लिए तैयार हूं। प्रियंका गांधी ने सदन में गृह मंत्री शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के भाषण का उल्लेख करते हुए कहा, रक्षा मंत्री का लंबा भाषण था। दूसरे भाषण भी सुने। मेरे मन में बार-बार यह बात आई कि सारी बातें कर लीं, इतिहास का पाठ पढ़ा दिया, लेकिन यह नहीं बताया कि 22 अप्रैल, 2025 को हमला कैसे हुआ और क्यों हुआ। उन्होंने सवाल किया, बैसरन घाटी में सुरक्षा क्यों नहीं थी?

किसी मंत्री ने संघर्ष विराम की घोषणा क्यों नहीं की, ट्रंप से सूचना क्यों मिली: डिपल यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) सांसद डिंपल यादव ने मंगलवार को केंद्र पर निशाना साधते हुए सवाल किया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान देश के किसी मंत्री ने या सरकार के आधिकारिक 'सोशल मीडिया हैंडल' से संघर्ष विराम की घोषणा क्यों नहीं की गई और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से देशवासियों को इसकी सूचना क्यों मिली।

सपा सांसद ने कहा कि कश्मीर में सब कुछ 'नॉर्मल' रहने का सरकार का दावा और राष्ट्रीय सुरक्षा की कीमत पर हालात सामान्य बताया जाना भी पहलगाम हमले का एक कारण था। उन्होंने कहा, मैं (केंद्र) सरकार से पूछना चाहूंगी कि आपके या हमारे परिवार का कोई भी सदस्य कश्मीर घाटी में घूमने जाता, तो क्या आप बिना सुरक्षा के उन्हें भेज देते?'' सपा सांसद ने दावा किया कि भाजपा सरकार के कहने पर ही पर्यटक इस भरोसे और विश्वास के साथ कश्मीर जा रहे थे कि वे सुरक्षित हैं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जब हमारा पलड़ा भारी दिख रहा था, तो संघर्ष विराम की घोषणा की गई...यह किसने की? देश के किसी भी मंत्री ने या भारत (सरकार) के आधिकारिक हैंडल से क्यों नहीं किया गया। देशवासियों को अमेरिका के राष्ट्रपति (ट्रंप) से यह सूचना क्यों मिली?

झारखंड में बस और ट्रक के बीच टक्कर में छह कांवड़ियों की मौत और 24 लोग घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/देवघर/भाषा। झारखंड के देवघर में मंगलवार को एक बस और गैस सिलेंडरों से भरे ट्रक के बीच टक्कर होने से कम से कम छह कांवड़ियों की मौत हो गई और 24 अन्य लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि कांवड़ियों को ले जा रही एक बस मोहनपुर थाना क्षेत्र के जमुनिया जंगल के पास सुबह करीब साढ़े पांच बजे गैस सिलेंडर ले जा रहे एक ट्रक से टकरा गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दुर्घटना में जान गंवाने वाले श्रद्धालुओं के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने 'एक्स' पर कहा, झारखंड के देवघर में हुई सड़क दुर्घटना अत्यंत दुखद है। इसमें जिन श्रद्धालुओं को अपनी जान गंवानी पड़ी है, उनके परिजनों के प्रति मेरी गहरी शोक-संवेदनाएं। ईश्वर उन्हें इस पीड़ा को सहने की शक्ति दे। इसके साथ ही मैं सभी घायलों के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। देवघर के उपायुक्त नमन प्रियेश लाकड़ा ने बताया, देवघर के जमुनिया चौक पर हुए हादसे में छह श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 24 अन्य घायल हो गए। घायलों में से आठ व्यक्तियों को देवघर स्थित एम्स में भर्ती कराया गया है, जबकि शेष का सदर अस्पताल में इलाज कराया जा रहा है।

ओडिशा: मंत्री से 25 लाख रुपए की ठगी का आरोपी गिरफ्तार

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सरकार में मंत्री कृष्ण चंद्र पात्रा को ढेंकनाल जिले में जमीन दिलाने का वादा कर 25 लाख रुपए की कथित तौर पर ठगी करने के मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि राज्य के खाद्य आपूर्ति एवं उपभोक्ता कल्याण मंत्री ने 26 जुलाई को ढेंकनाल टाउन थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके आधार पर यह गिरफ्तारी की गई। ढेंकनाल टाउन थाना प्रभारी निरीक्षक प्रवत साहू ने बताया, हमने ढेंकनाल जिले के बानासिंह निवासी निरंजन सत्पथी को मंत्री से 25 लाख रुपए की ठगी करने के आरोप में गिरफ्तार कर स्थानीय अदालत में पेश किया। पुलिस के अनुसार, पात्रा ने 2021 में बानासिंह इलाके में एक प्लॉट खरीदने के लिए आरोपी को अग्रिम राशि के रूप में 25 लाख रुपए दिए थे। अधिकारी ने हालांकि शिकायत का हवाला देते हुए बताया कि आरोपी ने मंत्री को प्लॉट नहीं दिया। उन्होंने बताया कि बाद में सत्पथी ने पात्रा को दो चेक जारी किए लेकिन वे 'बाउंस' हो गए। अधिकारी ने बताया, आरोपी ने मंत्री को एक लिखित बयान भी दिया था, जिसमें पैसे वापस करने का वादा किया गया था। हालांकि, उसने अपना वादा पूरा नहीं किया। पात्रा ने सोमवार को मीडियाकर्मियों से कहा था कि उन्होंने चार साल पहले एक कंपनी में निदेशक के रूप में कार्यरत रहते हुए एक प्लॉट खरीदने के लिए अग्रिम राशि का भुगतान किया था।

उत्तर प्रदेश के 500 से अधिक खिलाड़ियों को दी गई सरकारी नौकरी: योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पदक विजेता खिलाड़ियों को सरकारी नौकरियां देने में उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी बनकर उभरा है।

उन्होंने कहा कि भारत और उत्तर प्रदेश का नाम रोशन करने वाले 500 से ज़्यादा पदक विजेता खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी दी जा चुकी है। मुख्यमंत्री ने नाग पंचमी पर गोरखनाथ मंदिर में आयोजित दो दिनी राज्य स्तरीय कुश्ती चैंपियनशिप के समापन समारोह को संबोधित करते हुए इस बात पर जोर दिया कि पिछले आठ वर्षों में उत्तर प्रदेश ने बुनियादी स्तर से लेकर गांवों में खेल के मैदानों, विकास खंड स्तर पर मिनी स्टेडियमों और जिलों में पूर्ण विकसित स्टेडियमों के निर्माण सहित खेल के बुनियादी ढांचे में उल्लेखनीय विकास किया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों के लिए आकर्षक नकद पुरस्कार और रोजगार के अवसर भी शुरू किए हैं। सरकार द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों के लिए उठाये गए कदमों का जिक्र करते हुए कहा, अब तक ओलंपिक, एशियाई खेल, राष्ट्रमंडल खेल और विश्व चैंपियनशिप जैसे आयोजनों में भारत और उत्तर प्रदेश का नाम रोशन करने वाले 500 से ज़्यादा पदक विजेता खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी दी जा चुकी है। इस मामले में उप्र देश में अग्रणी है।

पुरी जगन्नाथ मंदिर की अंदरूनी तस्वीरें साझा करने के लिए एएसआई माफी मांगें : बीजद

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा में विपक्षी बीजू जनता दल (बीजद) ने मंगलवार को पुरी जगन्नाथ मंदिर के अंदर की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करने के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) से माफी की मांग की। एएसआई ने 12वीं शताब्दी के इस मंदिर के रत्न भंडार में किए गए जीर्णोद्धार कार्य का विवरण साझा करते हुए सोमवार को सोशल मीडिया पर मंदिर की तस्वीरें पोस्ट कीं। बाद में एएसआई ने बाद में इन फोटों को हटा लिया था।

बीजद प्रवक्ता लेनिन मोहंती ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि एएसआई के इस कार्य से श्रद्धालुओं की भावनाएं आहत हुई हैं और इससे मंदिर की सुरक्षा को भी खतरा पैदा हो गया है। उन्होंने कहा, मंदिर के अंदर कैमरा या कोई भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाना गैरकानूनी है, फिर भी मंदिर के रखरखाव का प्रभार संभालने वाले एएसआई ने रत्न भंडार और भोग मंडप के प्रवेश द्वार की तस्वीरें कैसे लीं और उन्हें सोशल मीडिया पर कैसे जारी किया, इससे लोगों के मन में सवाल उठ रहे हैं। मोहंती ने कहा कि एएसआई को बिना शर्त माफी मांगनी चाहिए और जिम्मेदार अधिकारी को निलंबित किया जाना चाहिए। बीजद नेता ने राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार और श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) से भी स्पष्टीकरण देने को कहा। वहीं, कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने कहा, हां, यह हमारे संज्ञान में आया है।

दिल्ली में बांग्लाभाषी महिला और उसके बच्चे को धमकाया भी गया : ममता बनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को दावा किया कि दिल्ली में कथित रूप से मारपीट की शिकार बांग्लाभाषी महिला और उसके बच्चे को धमकी भी दी गई थी। उनके इस बयान से पहले दिल्ली पुलिस ने बनर्जी द्वारा सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो को 'मनगढ़ंत' और 'राजनीति से प्रेरित' बताया था।

बनर्जी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा करते हुए आरोप लगाया था कि राष्ट्रीय राजधानी में एक बांग्ला भाषी महिला और उसके बच्चे पर अपनी भाषा बोलने के कारण हमला किया गया। मुख्यमंत्री ने आज कहा, जैसा कि मैंने कल अनुमान जताया था, उन्हें (महिला और उसके बच्चे को) विभिन्न थानों में ले जाया गया। उन्हें धमकाया गया। हम चाहते हैं कि वे वापस आ जाएं तथा कौन सच बोल रहा है और कौन झूठ बोल रहा है, वह अंततः साबित हो जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि भाजपा शासित राज्यों में बांग्ला भाषी प्रवासी श्रमिकों को परेशान किया जाता है, तो उन्हें बंगाल वापस आ जाना चाहिए। दिल्ली के पुलिस उपायुक्त (पूर्व) अभिषेक धानिया ने सोमवार को बताया था कि पुलिस ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री द्वारा 'एक्स' पर साझा किए गए वीडियो का तत्काल संज्ञान लिया, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि दिल्ली पुलिसकर्मियों ने महिला और उसके बच्चे के साथ बेरहमी से मारपीट की।

चीन 'राक्षस' है, उससे भी आतंकवाद के समान खतरा : अखिलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने मंगलवार को चीन को ''राक्षस'' करार देते हुए कहा कि भारत को इस पड़ोसी देश से उतना ही खतरा है जितना कि आतंकवाद से है और वह ''हमारी जमीन एवं बाजार, दोनों छीन लेगा। उन्होंने लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा के दौरान कहा कि जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाये जाने के दौरान केंद्र सरकार ने कहा था कि अब भविष्य में कोई आतंकी घटना नहीं होगी।

सपा प्रमुख ने कहा, लोग सरकार की ओर से दिए गए आश्वासन पर वहां (पहलगाम) गए थे। लेकिन सूरक्षा में हुई चूक की जिम्मेदारी कौन लेगा? इसके लिए जिम्मेदार कौन है? यह सबसे बड़ा सवाल है। उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले को ''खुफिया तंत्र की नाकामी'' करार देते हुए सरकार से यह बताने की मांग की कि वह भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए क्या कदम उठा रही है। अखिलेश ने उल्लेख किया कि पहलगाम से पहले पुलवामा (2019) में भी ऐसा ही हुआ था और उस समय भी खुफिया तंत्र की नाकामी की बात कही गई थी। सपा सांसद ने ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा वाले दिन ही कश्मीर में 'ऑपरेशन महादेव' संचालित होने पर सवाल उठाते हुए कहा कि मुठभेड़ कल (सोमवार को) ही क्यों हुई? सरकार को अपनी ''आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक नीतियों के लिए 'एसआईआर' (विशेष गहन पुनरीक्षण) जरूर करवाना चाहिए'' क्योंकि वह हर बार यह कहकर नहीं बच सकती कि ''चूक'' हुई है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के नाम पर (सरकार की ओर से) जो प्रचार किया गया, वह निंदनीय है।

अखिलेश ने कहा, हमारा खतरा पाकिस्तान से नहीं है, बल्कि चीन से है। वह न केवल हमारी जमीन छीन रहा है, बल्कि बाजार भी छीन रहा है। उन्होंने सवाल किया कि देश का क्षेत्रफल 2014 में कितना था और आज कितना है? सपा सांसद ने कहा कि सरकार को आतंकवाद पर लगाम लगाने के लिए वहां (चीन) से कारोबार कम करने पर फैसला करना चाहिए। उन्होंने सवाल किया कि आत्मनिर्भर बनने का नारा क्या कुछ व्यापारियों को लाभ पहुंचाने के लिए है। उन्होंने कहा, अगर हमें पाकिस्तान से खतरा है, तो चीन 'राक्षस' है। वह हमारी जमीन और बाजार, दोनों छीन लेगा।

आतंकवाद का खेल खेलने वाले पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलना बंद हो : तृणमूल कांग्रेस सांसद घोष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। तृणमूल कांग्रेस की सांसद सागरिका घोष ने मंगलवार को कहा कि पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलना बंद होना चाहिए क्योंकि यह देश भारत के खिलाफ बरसों से आतंकवाद का खेल खेलता आ रहा है।

उच्च सदन में ''पहलगाम में आतंकवादी हमले के जवाब में भारत के मजबूत, सफल एवं निर्णायक 'ऑपरेशन सिंदूर' पर विशेष चर्चा'' में हिस्सा लेते हुए तृणमूल कांग्रेस की घोष ने कहा कि सुरक्षा के तमाम बड़े बड़े दावों के बाद पहलगाम हमला कैसे हुआ, इसकी जवाबदेही तय की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि बरसों से भारत के खिलाफ आतंकवाद फैलाने वाले पाकिस्तान के साथ क्रिकेट मैच नहीं होना चाहिए।

सागरिका ने सदन में ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा में भाग लेते हुए यह मांग उस वक्त उठाई जब एशिया कप में 14 सितंबर को भारतीय और पाकिस्तानी क्रिकेट टीम के बीच मैच प्रस्तावित है। एशिया कप के कार्यक्रम के अनुसार चिर-प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान को ग्रुप 'ए' में रखा गया है और वे 14 सितंबर को दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में आमने-सामने होंगे। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलना बंद होना चाहिए क्योंकि यह देश बरसों से हमारे खिलाफ आतंकवाद का खेल खेलता आ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया ''यह सरकार हमदर्दी शब्द को भूल चुकी है। सीमा पर जवान अपनी जान गंवाते हैं और पोस्टरों में सरकार खुद को वीर बताते हुए अपनी पीठ थपथपाती है। यह सरकार अपने लिए युद्ध का फायदा उठाना चाहती है। घोष ने कहा कि आतंकवादी हमलों का सिलसिला तो थमा ही नहीं है और आए दिन इन हमलों में कभी आम नागरिक, कभी सुरक्षा बल तो कभी प्रवासी कामगार मारे गए हैं। उन्होंने कहा ''फिर भी यह सरकार ''नया कश्मीर'' बनाने का दावा करती है। उन्होंने बांग्लादेशियों के नाम पर बांग्ला भाषी लोगों को परेशान करने का आरोप लगाया।

सुविचार

अपने आत्मविश्वास को हमेशा ऊँचा रखें, क्योंकि यही आपकी असली ताकत है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भारत का करारा जवाब

भारतीय सुरक्षा बलों ने 'ऑपरेशन महादेव' के तहत पहलगाम हमले के गुनहगार तीन आतंकवादियों का खात्मा कर सराहनीय कार्य किया है। देश को पूरा भरोसा था कि पहलगाम में निर्दोष नागरिकों की हत्याएं करने वालों को हमारे सुरक्षा बल बख्शेंगे नहीं; भले ही कुछ समय लग जाए। आखिरकार यही हुआ। पहलगाम की घटना को अंजाम देने वाले आतंकवादियों का खात्मा तय था, लेकिन 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत जिस तरह पीओके से लेकर पाकिस्तान में चल रहे आतंकी अड्डों और पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों को उड़ाया गया, उससे इस पड़ोसी देश में खौफ का माहौल है। आज जो लोग कह रहे हैं कि ऑपरेशन से क्या हासिल हुआ, उन्हें एक बार पाकिस्तानी समाचार चैनलों और सोशल मीडिया पेजों को देखना चाहिए। भारतीय मिसाइलों ने जिस तरह अग्नि बरसाई थी, उसकी तपिश वहां अब तक महसूस की जा रही है। पाकिस्तान भलीभांति समझ चुका है कि अगर उसने अब कोई हिमाकत की, तो भारत की ओर से जो जवाब आएगा, वह और ज्यादा घातक होगा। जो नेता भारतीय सशस्त्र बलों की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए यह कह रहे हैं कि 'देश पहलगाम हमले के आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर नहीं, ऑपरेशन तंदूर चाहता था', उन्हें समझना होगा कि इस बार तो पाकिस्तान ने खुद स्वीकार किया कि उसके यहां जबर्दस्त तबाही मची थी। कई अंतरराष्ट्रीय चैनलों ने दिखाया कि भारतीय मिसाइलें कंक्रीट और लोहे से बनीं मजबूत इमारतों (जिनमें पाकिस्तानी आतंकवादी मौजूद थे) को इस तरह काटती हुईं अपने लक्ष्य तक पहुंचीं, जैसे तेज धारदार चाकू किसी केक को काट देता है। जब मिसाइलों में धमाके हुए तो वे इमारतें आतंकवादियों के लिए तंदूर ही बन गई थीं।

कुछ नेतागण अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बयानबाजी का जिक्र कर रहे हैं। वे ट्रंप के बयानों को इतनी गंभीरता से क्यों ले रहे हैं? क्या वे नहीं जानते कि ये अमेरिकी नेता मौके का फायदा उठाते हुए वाहवाही पाने की कोशिश कर रहे हैं? ट्रंप नोबेल पुरस्कार लेने के लिए बार-बार ऐसे बयान दे रहे हैं, जिनसे अमेरिकी राष्ट्रपति पद की प्रतिष्ठा धूमिल हो रही है। अब अमेरिका में ही लोग उनकी बातों को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। ट्रंप सुर्खियां बटोरने के लिए कुछ भी कह सकते हैं। वे आज भारत-पाकिस्तान के बीच परमाणु युद्ध रुकवाने का दावा कर रहे हैं। हो सकता है कि वे अगले महीने यह दावा कर दें कि उन्होंने धरती की ओर बढ़ रहे एलियंस को मार भगाया और दुनिया की रक्षा की, लिहाजा उन्हें इतिहास के सबसे 'महान रक्षक' की उपाधि दे दी जाए! असम के एक वरिष्ठ नेता पूछते हैं- 'सरकार बताए कि ऑपरेशन सिंदूर क्यों रोका गया?' बेशक सवाल पूछना उनका हक है। नेतागण को राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित सवाल पूछते समय उससे जुड़े कुछ पहलुओं का भी ध्यान रखना चाहिए। 'ऑपरेशन सिंदूर' बंद नहीं हुआ है। अभी पाकिस्तान की हरकतों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। भारत सरकार ने बहुत सूझबूझ के साथ यह फैसला लिया है। हमें किसी सूरत में वह गलती नहीं करनी है, जो रूस ने यूक्रेन में की थी। कई अंतरराष्ट्रीय ताकतें चाहती हैं कि भारत फौरन युद्ध में कूदे और उसमें बुरी तरह फंस जाए, ताकि उसकी अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान हो। एक बड़ा युद्ध हमें कई साल पीछे ले जा सकता है। क्या हमारे देशवासियों पर यह बोझ डालना चाहिए, वह भी उस पड़ोसी देश की वजह से जो पहले ही बर्बाद है? जवाब है- नहीं, हमें बहुत सोच-समझकर आगे बढ़ना चाहिए। अगर भविष्य में दोबारा संघर्ष की स्थिति पैदा हो तो अपने नागरिकों का जीवन सुरक्षित करना चाहिए, संघर्ष को कुछ ही क्षेत्रों में सीमित रखते हुए दुश्मन को ऐसा नुकसान पहुंचाना चाहिए कि वह कई वर्षों तक उसकी भरपाई करने में ही व्यस्त रहे। 'ऑपरेशन सिंदूर' इसकी शानदार मिसाल है। हमें इसके अनुभवों से शिक्षा लेते हुए भविष्य के लिए तैयारी करनी चाहिए।

ट्वीटर टॉक

मोदी जी पूरी कोशिश कर रहे हैं कि भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का हिस्सा बने। इसके लिए जवाहरलाल नेहरू का रुख जिम्मेदार है।जब हमारे जवान डोकलाम में चीनी सैनिकों का सामना कर रहे थे, तब राहुल गांधी चीनी राजदूत के साथ बैठक कर रहे थे।

-अमित शाह

मोदी सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर में देश के लिए कुर्बानी देने वाले वीर सपूत सुरेंद्र मोगा जी को शहीद का दर्जा नहीं देकर उनकी शहादत और राजस्थान के 8 करोड़ लोगों का अपमान किया है। देश को गुमराह करने और आंकड़े छिपाने वाला है।

-गोविंदसिंह डोटासरा

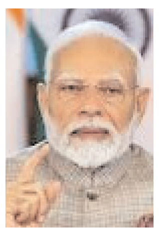

लोकसभा की अपनी महत्वपूर्ण स्पीच में गृह मंत्री अमित शाह जी ने ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव को लेकर पूरे विस्तार से जानकारी साझा की है। आतंक के खिलाफ इन अभियानों ने कायर आतंकियों के सफाए में काफी अहम भूमिका निभाई है।

-नरेन्द्र मोदी

प्रेरक प्रसंग

सोच का फर्क

महाराज युधिष्ठिर के अश्वमेध यज्ञ में देश-विदेश से अनेक संत-महात्मा, ऋषि-मुनि, विद्वान, और विभिन्न राज्यों के राजा उपस्थित थे। भगवान श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर को एक अत्यंत मूल्यवान उपहार दिया और कहा, 'राजन, इस सभा में जो आपको सबसे श्रेष्ठ व्यक्ति प्रतीत हो, उन्हें यह उपहार अपने हाथों से भेंट कर दीजिए।' युधिष्ठिर ने सभा में उपस्थित सभी विभूतियों को ध्यानपूर्वक देखा और बोले, 'प्रभु, मुझे यहां उपस्थित सभी महानुभाव धर्मनिष्ठ, गुणवान और नीतिवान प्रतीत होते हैं। कोई भी एक व्यक्ति ऐसा नहीं है जो दूसरों से कम या अधिक हो। अतः मैं इस उपहार को वापस करता हूं, क्योंकि मैं किसी एक को चुन नहीं सकता।' श्रीकृष्ण मुस्कुराए और फिर दुर्योधन को बुलाकर वही उपहार देते हुए कहा, 'दुर्योधन, तुम भी इस सभा में से जिसे सबसे श्रेष्ठ समझो, उसे यह उपहार भेंट कर दो।' कुछ समय बाद दुर्योधन लौटे और बोले, 'प्रभु, मैंने सभी को देखा, पर कोई भी ऐसा नहीं मिला जिसमें कोई अवगुण न हो। किसी में क्रोध है, किसी में लोभ, किसी में अहंकार तो किसी में मोह। मुझे कोई भी योग्य व्यक्ति नहीं मिला जो इस उपहार के योग्य हो।' श्रीकृष्ण मुस्कराकर बोले, 'यही तो दृष्टिकोण का अंतर है।

सामयिक

अप्रत्यक्ष व अप्रामाणिक तौर से यह सत्य सामने आ चुका है कि बाघों के शिकार में कई वनाधिकारी शामिल हैं, इसके बावजूद जंगल महकमा और कुलीन वन्य जीव प्रेमी वनखण्डों और उनके आसपास रहने वाली स्थानीय आबादी को वन्यप्राणी संरक्षण से जोड़ने की कोशिश करने की बजाय भोले-भाले आदिवासियों पर झूठे मुकदमे लादने और उन्हें वनों से बेदखल करने की कोशिशों में लगे हैं। जबकि सच्चाई है कि सदियों से वनों में आदिवासियों का बाहुल्य उनका प्रकृति और प्राणी से सह-अस्तित्व की जीवन शैली ही ईमानदारी से वन और वन्य जीवों के लिए सुरक्षा व संरक्षण का मजबूत तंत्र साबित हो सकता है।

बाघों के सबसे बड़े घर में सुरक्षा बनी चुनौती

प्रमोद भार्गव
मोबाइल : 9981061100

मध्यप्रदेश में चल रहे मानव-बाघ संघर्ष और अवैध शिकार एक बड़ी चुनौती बनकर पेश आए है। क्योंकि यह राज्य देश में टाइगर स्टेट कहा जाता है। बाघों की निरंतर बढ़ती संख्या इनके संरक्षण और सुरक्षा के लिए चुनौती बन रही है। अतएव वन विभाग को सुरक्षा के साथ संवेदनशीलता की भी जरूरत है। क्योंकि अब इनके आवास और प्रजनन के क्षेत्र केवल बाघों के लिए आरक्षित उद्यान नहीं रह गए हैं। ये अपना क्षेत्र विस्तृत कर रहे है। प्रदेश में वर्तमान में बाघों की संख्या 850 से लेकर 900 के बीच है। उम्मीद की जा रही है कि 2026 में होने वाली बाघ-गणना में 950 से अधिक बाघ प्रदेश के वन प्रांतों में हो सकते है, लेकिन चिंता की बात है कि राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) के ताजा आंकड़ों के अनुसार 2025 के छह माह के भीतर 29 बाघों की मौत हो चुकी है। यानी औसतन प्रतिमाह पांच बाघ या तो प्राकृतिक मौत मरे है या फिर पेशेवर शिकारियों ने उनका शिकार किया है।

हाल ही में शिवपुरी से लगे श्योपुर से तीन बाघों की हड्डियों के साथ तीन आरोपियों को स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स ने पकड़ा है। इनमें से एक बाघिन टी-1 शिवपुरी के माधव राष्ट्रीय उद्यान की बताई जा रही है। इस बाघिन की करीब 1 वर्ष से जानकारी नहीं मिल रही है। जबकि इसके गले में आईडी कॉलर डली हुई है। इस मामले में शिवपुरी के उद्यान से लगे ग्राम भीमपुर से पकड़े गए मुख्य आरोपी सोजीराम मोगिया ने स्वीकार किया है कि उसने जहर देकर एक बाघ को मारा है। हालांकि वनसंरक्षक उत्तम शर्मा प्रमाण के अभाव में बाघिन का शिकार करना स्वीकार नहीं कर रहे है, लेकिन बाघिन किस स्थल पर हैं, इसका उनके पास कोई उत्तर नहीं है। सौजीराम का 250 बीघा वनभूमि पर अवैध कब्जा भी है, जो उद्यान की सीमा से लगा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाघ परियोजना के 50 साल पूरे होने के अवसर पर कर्नाटक के मैसूरु में बाघों की नई गणना रिपोर्ट-2022 जारी की थी। हालांकि यह संख्या और ज्यादा भी हो सकती है, क्योंकि यह गिनती केवल बाघ परियोजना क्षेत्रों में लगे कैमरों में कैद हुए बाघों की, की गई थी। बाघों की यह वृद्धि दुनिया के लिए गर्व का विषय है। यह दुर्लभ प्राणी एक समय लुप्त होने के कगार पर पहुंच गया था, तब 1 अप्रैल 1973 को प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने बाघ परियोजनाओं के जरिए बाघ संरक्षण के मजबूत उपाय किए थे। दुनिया की कुल आबादी के 75 प्रतिशत बाघ अकेले भारत में हैं। देश की सभी बाघ परियोजनाओं में 75000 वर्ग किमी क्षेत्र बाघों के लिए सुरक्षित है। दुनिया का महज 2.4 प्रतिशत भू-भाग हमारे पास है, जबकि जैव-विविधता के संरक्षण में हमारा योगदान आठ प्रतिशत है। भारत की कुल आबादी के करीब 850 बाघ मध्यप्रदेश की धरती पर विचरण कर रहे हैं। इसीलिए अब मध्यप्रदेश बाघ राज्य (टाइगर स्टेट) कहलाता है। बाघ संरक्षण भारत सरकार और राज्यों की साझा जिम्मेदारी है। संवेदना और सह-अस्तित्व के लिए प्रोत्साहित करने वाली हमारी सांस्कृतिक विरासत ने बाघ परियोजना की सफलता में अहम भूमिका निभाई है। इन साझा प्रयासों का ही परिणाम है कि बाघों की संख्या में बढ़ोत्तरी दर्ज की जा रही है।

बीती सदी में जब बाघों की संख्या कम हो गई तब मध्य प्रदेश के कान्हा राष्ट्रीय उद्यान में पैरों के निशान के आधार पर बाघ गणना प्रणाली को शुरूआती मान्यता दी गई थी। ऐसा माना जाता है कि हर बाघ के पंजे का निशान अलग होता है और इन निशानों को एकत्र कर बाघों की संख्या का आकलन किया जा सकता है। कान्हा के पूर्व निदेशक एचएस पवार ने इसे एक वैज्ञानिक तकनीक माना था, लेकिन यह तकनीक उस समय मुश्किल में आ गई, जब साइंस इन एशिया के मौजूदा निदेशक के उल्लास कारंत ने बेंगलूरु की वन्य जीव संरक्षण संस्था के लिए विभिन्न पर्यावरणीय परिस्थितियों में बंधक बनाए गए बाघों के पंजों के निशान लिए और विशेषज्ञों से इनमें अंतर करने के लिए कहा। इसके बाद पंजों के निशान की तकनीक की कमजोरी उजागर हो गई और इसे नकार दिया गया।

इसके बाद कैमरा ट्रैपिंग का एक नया तरीका पेश आया। जिसे कारंत की टीम ने शुरुआत में दक्षिण भारत में लागू किया। इसमें जंगली बाघों की तस्वीरें लेकर उनकी गणना की जाती थी। ऐसा माना गया कि प्रत्येक बाघ के षरीर पर धारियों का प्रारूप उसी तरह अलग-अलग है, जैसे इंसान की अंगुलियों के निशान अलग-अलग होते हैं। यह एक महंगी आकलन प्रणाली थी। पर यह बाघों के पैरों के निशान लेने की तकनीक से कहीं ज्यादा सटीक थी। इसके तहत कैप्चर और री-कैप्चर की तकनीकों वाले परिष्कृत सांख्यिकी उपकरणों और प्रारूप की पहचान करने वाले सॉफ्टवेयर का प्रयोग करके बाघों की विश्वसनीय संख्या का पता लगाने की शुरूआत हुई। इस तकनीक द्वारा गिनती सामने आने पर बाघों की संख्या नाटकीय ढंग से घट गई थी, जो अब बढ़ रही है।

हालांकि बढ़ते क्रम में बाघों की गणना को हमेशा पर्यावरणविदों ने संदिग्ध माना है। क्योंकि आर्थिक उदारवाद के चलते बहुराष्ट्रीय कंपनियों को प्राकृतिक संपदा के दोहन की छूट जिस तरह से दी जा रही है, उसी अनुपात में बाघ के प्राकृतिक आवास भी प्रभावित हो रहे हैं। खनन और राजमार्ग विकास परियोजनाओं ने बाघों की वंश वृद्धि पर अंकुश लगाया है। इन परियोजनाओं को प्रचलन में लाने के लिए चार गुना मानव बसाहटें बाघ आरक्षित क्षेत्रों में बढ़ी हैं। नतीजतन मानव और पशुओं के बीच संघर्श बढ़ा है। केंद्र व राज्य सरकारों की नीतियां भी खनन परियोजनाओं को बढ़ावा दे रही हैं। पन्ना में हीरा खनन परियोजना, कान्हा में बॉक्साइट, राजाजी में राष्ट्रीय राजमार्ग, तड़ोबा में कोयला खनन और उत्तर-प्रदेश के तराई वन क्षेत्रों में इमारती लकड़ी माफिया बाघों के लिए जबरदस्त खतरा बने हुए हैं।

इसके बावजूद खनिज परियोजनाओं के विरुद्ध बुलंदी से आवाज न राजनीतिकों की ओर से उठ रही और न ही वन अमले की तरफ से? हां वन अमले की बर्बरता और गोपनीयता जरूर वैसी ही बनी चली आ रही है, जो फिरंगी हुकूमत के जमाने में थी। अंग्रेजों से विरासत में मिली इस शैली में बदलाव अभी तक वन अमला लाया नहीं है। इस कारण बाघों की मौतें भी बढ़ रही हैं। जबकि राष्ट्रीय उद्यानों, वनकर्मियों और वन आंवटन में निरंतर वृद्धि हो रही है। प्रत्येक आरक्षित उद्यान को 20 से 26 करोड़ रुपए दिए जाते हैं।

आशंकाएं तो यहां तक हैं कि बाघों की संख्या बढ़ा-चढ़ाकर इसलिए बताई जाती है, ताकि इनके संरक्षण के बहाने बरस रही देशी-विदेशी धनराशि नौकरशाही का हिस्सा बनती रहे।वर्तमान में चीन में बाघ के अंग और खालों की सबसे ज्यादा मांग हैं। इसके अंगों से यहां पारंपरिक दवाएं बनाई जाती हैं और उसकी हड्डियों से महंगी शराब बनती है। भारत में बाघों का जो अवैध शिकार होता है, उसे चीन में ही तस्करी के जरिए बेचा जाता है। बाघ के अंगों की कीमत इतनी अधिक मिलती है कि पेशेवर शिकारी और तस्कर बाघ को मारने के लिए हर तरह का जोखिम उठाने को तैयार रहते हैं। बाघों की दुर्घटना में जो मौतें हो रही हैं, उनका कारण इनके आवासीय क्षेत्रों में निरंतर आ रही कमी है। जंगलों की बेतहाशा हो रही कटाई और वन-क्षेत्रों में आबाद हो रही मानव बस्तियों के कारण भी बाघ बेमौत मारे जा रहे हैं।

पर्यटन के लाभ के लिए उद्यानों एवं अभ्यारण्यों में बाघ देखने के लिए जो क्षेत्र विकसित किए गए हैं, उस कारण इन क्षेत्रों में पर्यटकों की अवाजाही बढ़ी है, नतीजतन बाघ एकांत तलाशने के लिए अपने पारंपरिक रहवासी क्षेत्र छोड़ने को मजबूर होकर मानव बस्तियों में पहुंचकर बेमौत मर रहे हैं। बाघ संरक्षण विशेश क्षेत्रों का जो विकास किया गया है, वह भी उसकी मौत का कारण बन रहा है, क्योंकि इस क्षेत्र में बाघ का मिलना तय होता है। बाघों के निकट तक पर्यटकों की पहुंच आसान बनाने के लिए बाघों के शरीर में रेडियो कॉलर आईडी लगाए गए हैं, वे भी इनकी मौत का प्रमुख कारण हैं। सीसीटीवी कैमरे भी इनको बेमौत मार देने की सूचना का आधार बन रहे हैं। दरअसल कैमरे के चित्र और कॉलर आईडी से इनकी उपस्थिति की सटीक जानकारी वनकर्मियों के पास होती है। तस्करों से रिश्वत लेकर वनकर्मी बाघ की उपस्थिति की जानकारी दे देते हैं। नतीजतन शिकारी बाघ को आसानी से निशाना बना लेते हैं।

अप्रत्यक्ष व अप्रामाणिक तौर से यह सत्य सामने आ चुका है कि बाघों के शिकार में कई वनाधिकारी शामिल हैं, इसके बावजूद जंगल महकमा और कुलीन वन्य जीव प्रेमी वनखण्डों और उनके आसपास रहने वाली स्थानीय आबादी को वन्यप्राणी संरक्षण से जोड़ने की कोशिश करने की बजाय भोले-भाले आदिवासियों पर झूठे मुकदमे लादने और उन्हें वनों से बेदखल करने की कोशिशों में लगे हैं। जबकि सच्चाई है कि सदियों से वनों में आदिवासियों का बाहुल्य उनका प्रकृति और प्राणी से सह-अस्तित्व की जीवन शैली ही ईमानदारी से वन और वन्य जीवों के लिए सुरक्षा व संरक्षण का मजबूत तंत्र साबित हो सकता है।

नजरिया

सत्ता और विरोध पक्ष में संबंधों की गहरी दरार

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 9414441218

"लोकतंत्र तभी सुदृढ़ होगा जब राष्ट्रीय हितों के मामलों में दोनों की एक राय हो। देश सबसे बड़ा है। मगर ऐसा नहीं हो रहा है जो दुखद है। अब समय का तकाजा है सभी राजनीतिक पार्टियों में जो कुछ गंभीर और समझदार नेता बचे हैं वे लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सभ्यता और मर्यादा बनाए रखने के लिए कोशिशें शुरू करें। उन्हें विधायिका की संस्थाओं के बाहर सरकार और विपक्ष के बीच नियमित बैठकों को आयोजित करना चाहिए।

लोकतंत्र का शाब्दिक अर्थ है लोगों का शासन। यह एक ऐसी शासन व्यवस्था है जिसमें जनता अपना शासक खुद चुनती है। भारत क्षेत्रफल में दुनिया का सातवाँ और जनसंख्या की दृष्टि से दूसरा सबसे बड़ा देश है। आजादी के बाद देश में लोकतान्त्रिक प्रणाली को चुना गया। लोकतांत्रिक संसदीय व्यवस्था में बहुमतवाला दल शासन सँभालता है, अन्य दलों के सदस्य सत्तारूढ़ दल के कार्यकलापों की आलोचना करते हैं। सरकार बनने के बाद जो दल शेष बचते हैं, उनमें सबसे अधिक सदस्यों वाले दल को विरोधी दल कहा जाता है। भारतीय राजनीति में विपक्ष का अर्थ, जो सत्ता में नहीं है,से है। विपक्ष के रूप में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण होती है। स्वस्थ विपक्ष का कार्य सरकार की सकारात्मक तरीके से आलोचना करना होना चाहिए। स्वस्थ विपक्ष के रूप में विपक्ष को जनता के हित से जुड़े मुद्दों पर सरकार की आलोचना व बहस करना चाहिए। आजादी के बाद जो संघर्ष तत्कालीन विपक्षी दलों ने शुरू किया था वह सत्ता की नहीं बल्कि विचारों की प्रत्यक्ष लड़ाई थी। उनके विचारों में राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के तत्व मौजूद थे। आज स्थिति बिलकुल उलट है। वर्तमान के विपक्षी दलों में न तो विचारों के साथ चलने को लेकर कोई उत्साह है, न प्रतिबद्धता। सदस्यों के बीच वैचारिक भिन्नता स्वाभाविक है, लेकिन यहां कटुता दिखाई पड़ती है। कटुता से आत्मीयता घटती है। परस्पर अलगाववाद बढ़ता है। लोकतंत्र में दो सबसे बड़ी पार्टियां ऐसी कटु भाषा का प्रयोग एक-दूसरे के लिए नहीं करतीं जैसे हमारे यहां होता है। यही कारण है की मोदी को तीसरी बार सत्ता हासिल करने में कोई भी नहीं रोक पाया।

वर्ष 1967 से पूर्व देश में सत्ता और विपक्ष में आलोचना के बावजूद आपसी सम्बन्ध बहुत मधुर थे। उस दौरान सत्ता पक्ष बहुत मजबूत था और विपक्ष बिखरे हुए। इसके बाद भी विपक्ष बहुत प्रभावी था। लोहिया से लेकर मधु लिमये, ए के गोपालन, हिरेन मुखर्जी, कृपलानी, राजाजी, नम्बूदरीपाद भूपेश गुप्ता, अटल बिहारी वाजपेयी, बलराज मधोक, लालकृष्ण आडवाणी, मीनू मसानी, नाथपई, पीलू मोदी, जॉर्ज फर्नांडीज, एन जी रंगा, ज्योतिर्मय बसु सरीखे विरोध पक्ष के नेताओं से सत्ता पक्ष थर्राता था। लोहिया पंडित नेहरू के सबसे बड़े आलोचक थे मगर दोनों के मित्रवत संबधों पर कभी कोई आंच नहीं आयी। दो पूर्व प्रधानमंत्रियों वाजपेयी और नरसिम्हा राव के संबंध जग जाहिर है। वर्ष 1967 के बाद पक्ष और विपक्ष की कटुता बढ़ी विशेषकर इंदिरा गाँधी के सत्ता सँभालने के बाद। जिसकी परिणीति आपातकाल में बदली। तबसे दोनों पक्षों में आपसी सौहार्द लगभग समाप्त सा हो गया।

वर्ष 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद जो कटुता देखने को मिली वह लोकतंत्र के हित में नहीं कही जा सकती। इससे हमारी लोकतान्त्रिक प्रणाली का ह्रास हुआ है। संसदीय कार्यवाही और वाद-विवाद में शालीनता भी घटी है। संवैधानिक पदों पर बैठे राजनेताओं के लिए जिन शब्दों का प्रयोग किया जा रहा है वे लोकतंत्र के लिए घातक है। आज सत्ता और विपक्ष के आपसी सम्बन्ध इतने खराब हो गए है की आपसी बात तो दूर एक दूसरे को फूटी आँख भी नहीं सुहाते। दुआ सलाम और अभिवादन भी नहीं करते। औपचारिक बोलचाल भी नहीं होती। लोकतंत्र में सत्ता के साथ विपक्ष का सशक्त होना भी जरुरी है मगर इसका यह मतलब नहीं है की कटुता और द्वेष इतना बढ़ जाये की गाली गलौज की सीमा भी लाँघी जाये। हमारे देश में राजनीतिक माहौल इतना कटुतापूर्ण हो गया है कि लोकतांत्रिक राजनीति के इतिहास में कहीं नहीं हुआ होगा।

सोशल मिडिया, टेलीविजन , फेसबुक और ट्विटर जैसे संचार साधनों के बढ़ते दायरे ने आग में घी का काम किया है। भारत के लोकतंत्र के लिए इससे बुरा और क्या हो सकता है। लोकतंत्र की सफलता पक्ष और विपक्ष की मजबूती में है। लोकतंत्र तभी सुदृढ़ होगा जब राष्ट्रीय हितों के मामलों में दोनों की एक राय हो। देश सबसे बड़ा है। मगर ऐसा नहीं हो रहा है जो दुखद है। अब समय का तकाजा है सभी राजनीतिक पार्टियों में जो कुछ गंभीर और समझदार नेता बचे हैं वे लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सभ्यता और मर्यादा बनाए रखने के लिए कोशिशें शुरू करें। उन्हें विधायिका की संस्थाओं के बाहर सरकार और विपक्ष के बीच नियमित बैठकों को आयोजित करना चाहिए। सभी लोकतंत्र प्रेमियों को इस पर गहनता से मंथन करने की जरुरत है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बाघ

मंगलवार को कोलकाता के अलीपुर प्राणी उद्यान में अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस के अवसर पर वन्यजीव संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम में बाघ की वेशभूषा में सजे बच्चे तस्वीर खिंचवाते हुए।

एसेट्ज़ ने ज़ेन एंड सातो को लॉन्च किया

412 यूनिट्स वाले 4 ऊंचे टावर ■ 7 एकड़ में फैली यह परियोजना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु के अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर्स में से एक, एसेटज ने येलहंका-बगलूर मेन रोड स्थित लक्जरी आवासीय एन्क्लेव ज़ेन एंड सातो को लॉन्च किया। 80 फीट रोड पर मौजूद और बगलूर क्रॉस मेट्रो स्टेशन, येलहंका रेलवे स्टेशन, केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा और हेब्बाल फ्लाईओवर से 15 मिनट से भी कम दूरी पर स्थित ज़ेन एंड सातो बेजोड़ कनेक्टिविटी उपलब्ध कराता है। इसके अलावा निवासियों को नामी हॉस्पिटल जैसी स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ मॉल जैसी प्रमुख सुविधाओं की निकटता का लाभ मिलेगा। 7 एकड़ में फैली इस परियोजना में 4 टावरों में 412 प्रीमियम आवास हैं, जिनमें 2,159 से 2,955 वर्ग फुट तक के आकार वाले 3 और 4 बीएचके के बड़े आकार के घर हैं। बता दें कि ज़ेन एंड सातो नाम जापानी दर्शन के सिद्धांतों से प्रेरित है। 'ज़ेन' ध्यान और आंतरिक शांति का प्रतीक है। यह इस परियोजना के सुकून भरे वातावरण को दर्शाता है। 'सातो' का अर्थ 'गांव' या 'गृह नगर' होता है। यह अपनेपन की भावना का प्रतीक है।एसेट्ज़ के सीईओ अक्षय दीवानी ने कहा, 'ज़ेन एंड सातो डिज़ाइन-आधारित जीवनशैली का बेहतरीन उदाहरण है।

70 प्रतिशत से ज़्यादा खुली जगह के साथ यह मास्टर प्लान पोडियम ग्रीन्स, ट्री कोर्ट्स और सोशल पवेलियन के ज़रिए सुखद अनुभूति देता है।' एसेट्ज़ के कार्यकारी निदेशक सुनील पारीक ने कहा, 'एसेट्ज़ में हमारी ताकत ह्यूमन लाइफ स्टाइल और व्यवहार को गहराई से समझने और उन अंतर्दृष्टियों को कार्यात्मक, सौंदर्यपरक और भविष्य के लिए तैयार रहने वाली जगहों में परिवर्तित करने में निहित है। इस वित्तीय वर्ष में दस लॉन्च में से एक के तौर पर ज़ेन और सातो हमें वित्तीय वर्ष 2026 के 4,000 करोड़ रुपए से ज्यादा के पूर्व-बिक्री लक्ष्य की ओर ले जाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।'

आईआरसीटीसी ने कर्नाटक से काशी दर्शन और दक्षिणा यात्रा के लिए भारत गौरव पर्यटक ट्रेनें शुरू कीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। आईआरसीटीसी ने कर्नाटक सरकार के मेसर्स हिंदू धार्मिक संस्थान एवं धर्मार्थ बंदोबस्ती (एचआरआईसीई) के सहयोग से, भारत गौरव पर्यटक ट्रेन योजना के तहत विशेष रूप से कर्नाटक के निवासियों के लिए दो विशेष तीर्थ यात्राओं की घोषणा की है। पहला दौरा, काशी दर्शन, 31 अगस्त से 8 सितंबर तक 9 दिनों की यात्रा है, जिसमें वाराणसी (काशी विश्वनाथ मंदिर, तुलसी मंदिर और संकट मोचन हनुमान मंदिर), अयोध्या (राम मंदिर और हनुमान गढ़ी), गया और बोधगया (विष्णुपद मंदिर और महाबोधि मंदिर), और प्रयागराज (त्रिवेणी संगम और हनुमान मंदिर) जैसे पवित्र स्थलों को शामिल किया गया है।

प्रति व्यक्ति कुल पैकेज की लागत 22,500/- है, जिसमें कर्नाटक सरकार द्वारा कर्नाटक के निवासियों के लिए 7,500/- की विशेष सब्सिडी प्रदान की जाती है, जिससे प्रभावी लागत 15,000/- रह जाती है। इस टूर के बोर्डिंग पॉइंट्स में एसएमवीटी बेंगलूरु/यशवंतपुर, तुमकुरु, बिरूर, दावणगेरे, हावेरी, हुब्बल्ली और बेलगावी शामिल हैं।

दूसरा टूर, दक्षिणा यात्रा, 11 से 16 सितंबर 2025 तक 6 दिनों की यात्रा है, जिसमें दक्षिण भारत के प्रमुख मंदिरों के दर्शन होंगे, जिनमें कन्याकुमारी (भगवती मंदिर और विवेकानंद रॉक मेमोरियल), तिरुवनंतपुरम (पद्मनाभस्वामी मंदिर), रामेश्वरम (रामनाथस्वामी मंदिर) और मदुरै (मीनाक्षी मंदिर) शामिल हैं।

पैकेज की लागत प्रति व्यक्ति 15,000/- है, जिसमें कर्नाटक सरकार राज्य के निवासियों के लिए 5,000/- की विशेष सब्सिडी प्रदान करती है, जिससे कीमत घटकर 10,000/- हो जाती है। इस टूर के बोर्डिंग पॉइंट्स में बेलगावी, हुब्बल्ली, हावेरी, दावणगेरे, बिरूर, तुमकुरु और एसएमवीटी बेंगलूरु शामिल हैं।

दोनों यात्राएँ भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन के एसी 3 टियर क्लास में संचालित की जाएँगी, जिसमें निम्नलिखित सुविधाओं के साथ आरामदायक यात्रा की सुविधा होगी। विभिन्न स्थानों पर ट्विन/ट्रिपल शेयरिंग के आधार पर गैर-वातानुकूलित कमरों में आवास, यात्रा कार्यक्रम के अनुसार गैर-एसी कमरों में धुलाई और कपड़े बदलने की सुविधा, पूर्णतः शाकाहारी भोजन, गैर-एसी बस स्थानांतरण और दर्शनीय स्थलों की यात्रा, प्रत्येक कोच के लिए टूर एस्कॉर्ट, यात्रा बीमा, आईआरसीटीसी टूर मैनेजर, ऑन-बोर्ड सुरक्षा और सभी लागू कर शामिल हैं। आरक्षण और विस्तृत जानकारी के लिए, यात्री आईआरसीटीसी कार्यालयों से संपर्क कर सकते हैं: बेंगलूरु - 9003140710 / 8595931290 / 8595931291 / 8595931292, मैसूर - 8595931294, और हुब्बल्ली - 8595931293। वैकल्पिक रूप से, वेबसाइट देखें: www.irctctourism.com

उत्तर कोरिया को परमाणु हथियार संपन्न देश के रूप में स्वीकार करे अमेरिका: किम की बहन

सियोल/एपी। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने उत्तर कोरिया के परमाणु निरस्त्रीकरण पर कूटनीति बहाल करने के अमेरिका के इरादे को खारिज किया और वाशिंगटन से आग्रह किया कि वह उनके देश को परमाणु हथियार संपन्न देश के रूप में स्वीकार करे तथा वार्ता फिर से शुरू करने के लिए नया दृष्टिकोण अपनाए।

किम यो जोंग के बयान से संकेत मिलता है कि उत्तर कोरिया बातचीत की मेज पर तभी लौटेगा, जब अमेरिका उसे अपनी परमाणु क्षमता के आंशिक समर्पण के लिए पुरस्कृत करेगा। कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कूटनीतिक उपलब्धि हासिल करने के लिए उत्तर कोरिया के साथ बातचीत का प्रयास कर सकते हैं।

ट्रंप ने हाल ही में किम जोंग उन के साथ अपने निजी संबंधों का बखान किया था और उनके साथ परमाणु कूटनीति को फिर से शुरू करने की उम्मीद जताई थी।

ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान 2018-19 में अमेरीका की कूटनीति तब विफल हो गई थी, जब उन्होंने किम का आह्वान ठुकरा दिया था। किम ने अपने मुख्य परमाणु परिसर को नष्ट करने के बदले में प्रतिबंधों में व्यापक राहत देने की मांग की थी, जो एक सीमित परमाणु निरस्त्रीकरण कदम था। तब से किम ने अपने परमाणु शस्त्रागार को आधुनिक और विस्तारित करने के लिए कई हथियार परीक्षण किए हैं।

किम की बहन ने कहा कि उनके भाई और ट्रंप के बीच संबंध खराब नहीं हैं।

हालांकि, उन्होंने कहा कि अगर उनके भाई और ट्रंप के बीच के व्यक्तिगत संबंधों से उत्तर कोरिया के परमाणु निरस्त्रीकरण का उद्देश्य पूरा होने की उम्मीद की जा रही है, तो उत्तर कोरिया की नजरों में यह ''सिर्फ एक मजाक'' भर है।

सरकारी मीडिया की ओर से जारी बयान में किम यो जोंग ने कहा कि किम-ट्रंप कूटनीति के पहले दौर के बाद से उत्तर कोरिया की परमाणु क्षमता में तेजी से वृद्धि हुई है और उत्तर कोरिया को परमाणु हथियार संपन्न राष्ट्र मानने से इनकार करने के किसी भी प्रयास को खारिज कर दिया जाएगा। उत्तर कोरिया संभवतः आंशिक परमाणु निरस्त्रीकरण पर बातचीत चाहता है। किम यो जोंग ने कहा कि वह एक अमेरिकी अधिकारी की कथित टिप्पणी का जवाब दे रही हैं, जिसमें कहा गया है कि ट्रंप परमाणु निरस्त्रीकरण पर बातचीत के लिए तैयार हैं।

नोरा फतेही और रेवैन्नी फिर एक साथ आएगे नज़र

मुंबई/एजेन्सी

'स्नेक' से दुनिया भर में धूम मचाने के बाद, नोरा फतेही और रेवैन्नी की क्रॉस-कल्चरल जोड़ी धमाकेदार ट्रैक 'तेतेमा' के साथ फिर से वापस आ रहे है। जेसन डेरुलो के साथ 'स्नेक' की ज़बरदस्त ग्लोबल सफलता के बाद, जिसे अब तक 130 मिलियन से ज़्यादा बार देखा जा चुका है। सूत्रों के अनुसार, नोरा फतेही अब एक और बड़ा इंटरनेशनल धमाका करने जा रही हैं। वह टैलेंटेड अफ्रीकी कलाकार रेवैन्नी के साथ 'तेतेमा' में फिर से नजर आएंगी जो कि एक हाई-ऑक्टेन ग्लोबल फ्यूजन ट्रैक है। यह गाना अफ्रो-बोंगो एनर्जी को बहुभाषीय और क्रॉस-कल्चरल ट्विस्ट के साथ पेश करता है। सूत्रों के अनुसार इस नए रीक्रिएशन का नाम ओ मामा तेतेमा से आ सकता है, जो रेवैन्नी और डायमंड प्लैटनम्ज़ के ओरिजिनल हिट 'तेतेमा' पर आधारित होगा। इस बार नोरा न सिर्फ़ गाने की विज़ुअल हाइलाइट होंगी, बल्कि एक गायिका के रूप में भी नजर आएंगी जहाँ वह अंग्रेज़ी, स्वाहिली और हिंदी के अनोखे मेल से अपने सिग्नेचर 'स्वैग और स्पाइस' को पेश करेंगी। अपनी ग्लोबल छवि के अनुरूप, नोरा अपने फैशन स्टाइल के ज़रिए आधुनिक अफ्रो-पॉप एस्थेटिक्स को भी प्रदर्शित करेंगी, जो अंतरराष्ट्रीय मंच पर ट्रेंड सेट करने का काम करेगा। 2019 की उनकी वायरल इंटरनेशनल हिट ट्रैक पेपेटा के बाद, यह नोरा और रेवैन्नी के साथ एक और बड़ी जोड़ी की वापसी है।

फातिमा सना शेख ने आर माधवन को बताया पसंदीदा को-स्टार

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री फातिमा सना शेख ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बताया कि उनकी हालिया रिलीज फिल्म 'आप जैसा कोई' के एक्टर आर माधवन उनके पसंदीदा को-स्टार हैं। माधवन की तारीफ करते हुए फातिमा ने उन्हें 'सबसे अच्छा इंसान' भी बताया। फातिमा ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के सेट से माधवन के साथ कुछ मजेदार और यादगार पलों की तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, मैडी और फैटी मेरे सबसे पसंदीदा को-स्टार! फातिमा ने पोस्ट में माधवन को शूटिंग आसान और मजेदार बनाने के लिए धन्यवाद दिया। फातिमा ने लिखा, आपके विनम्र और उदार स्वभाव ने पूरी शूटिंग को आसान और मजेदार बना दिया। फातिमा, माधवन की मां के 'सांबर मसाला रेसिपी' और हर सुबह दी जाने वाली 'परफेक्ट फिल्टर कॉफी' के लिए भी आभार जताती नजर आईं। साथ ही उन्होंने सेट पर अक्सर गुलाब जामुन लाने के लिए भी माधवन को धन्यवाद कहा।

'आप जैसा कोई' रोमांटिक कॉमेडी ड्रामा है, जिसका निर्देशन विवेक सोनी ने किया है और इसे करण जौहर की धर्माटिक एंटरटेनमेंट ने बनाया है। 11 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई फिल्म में आर. माधवन संस्कृत प्रोफेसर श्रीरेणु त्रिपाठी की भूमिका में हैं, जबकि फातिमा सना शेख एक बिंदास फ्रेंच टीचर मधु बोस के किरदार में हैं। यह फिल्म श्रीरेणु और मधु की प्रेम कहानी को दिखाती है, जो सामाजिक रूढ़ियों के बीच पनपती है।

वर्कफ्रंट की बात करें तो 'आप जैसा कोई' के अलावा फातिमा, अनुराग बसु की फिल्म 'मेट्रो... इन दिनों' में नजर आईं। 4 जुलाई को रिलीज हुई 'मेट्रो... इन दिनों' आधुनिक रिश्तों की मुश्किलों को पर्दे पर उतारती है। इस फिल्म में फातिमा सना शेख के साथ आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, अली फजल, पंकज त्रिपाठी, कोंकणा सेन शर्मा, अनुपम खेर और नीना गुप्ता जैसे सितारे अहम भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म साल 2007 में आई अनुराग बसु की 'लाइफ इन ए मेट्रो' की सीक्वल है।

बाघों के होने का मतलब सही सलामत हैं जंगल : रणदीप हुड्डा

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता रणदीप हुड्डा ने अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस के मौके पर सोशल मीडिया पर एक खास संदेश साझा किया। उन्होंने लोगों को बाघों की सुरक्षा और संरक्षण के बारे में जागरूक किया। उन्होंने कहा कि अगर किसी जगह पर बाघ मौजूद हैं, तो इसका मतलब है कि जंगल सही सलामत हैं।

रणदीप हुड्डा जंगली जानवरों और पर्यावरण की सुरक्षा को लेकर हमेशा आवाज उठाते रहते हैं। वह लंबे समय से लोगों को जागरूक कर रहे हैं कि लुप्त होती प्रजातियों की रक्षा कितनी जरूरी है। उनका कहना है कि बाघ हमारे जंगलों और पर्यावरण के लिए बहुत जरूरी हैं। अगर बाघ नहीं बचेंगे, तो जंगलों का संतुलन बिगड़ जाएगा।

मंगलवार को रणदीप ने सोशल मीडिया पर बाघों की कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं और एक दिल छू लेने वाला संदेश लिखा। उन्होंने बताया कि उन्हें भारत के अलग-अलग इलाकों में बाघों को देखने का सौभाग्य मिला। हुड्डा ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस सिर्फ बाघों के बारे में नहीं है।

अगर किसी जगह पर बाघ मौजूद हैं, तो इसका मतलब है कि वहां पेड़-पौधे और जानवरों की लाखों प्रजातियां भी सही सलामत हैं। भारत बाघों को बचाने के मामले में दुनिया में सबसे आगे है। नतीजा यह है कि बाघों की संख्या भी बढ़ी है। निराशाजनक बात ये है कि जंगल और बाघों का रहने का स्थान धीरे-धीरे खत्म हो रहा है, क्योंकि जमीन का इस्तेमाल दूसरी चीजों के लिए अधिक किया जा रहा है।'' अभिनेता ने सवाल किया कि अगर बाघों की संख्या बढ़ रही है, तो वे रहेंगे कहां?

उन्होंने आगे लिखा, ''बाघों को बचाना मतलब उनके जंगलों को बचाना और जंगलों को बचाना मतलब पूरी धरती को और खुद इंसानों को भी बचाना।

ऑलमाइटी मोशन पिक्चर का टाटा को श्रद्धांजलि

मुंबई/एजेन्सी

भारत रत्न से सम्मानित और भारत के एक दूरदर्शी उद्योगपति जहाँगीर रतनजी दादाभॉय टाटा की 121वीं जयंती पर, ऑलमाइटी मोशन पिक्चर और अमेज़न एमएक्स प्लेयर ने अपने आगामी सीरीज़ मेड इन इंडिया - एक टाइटन स्टोरी की पहली झलक दर्शकों के सामने पेश की। इस सीरीज़ में दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह जे.आर.डी. टाटा की भूमिका निभा रहे हैं। यह झलक दर्शाती है कि किस प्रकार एक व्यक्ति की सोच, मेहनत और नेतृत्व ने आधुनिक भारत के निर्माण में अहम भूमिका निभाई।

इस प्रेरणादायक गाथा का निर्माण प्रभलीन संधू (संस्थापक, ऑलमाइटी मोशन पिक्चर) ने किया है, निर्देशन रॉबी ग्रेवाल द्वारा किया गया है, और इसकी कथा करण व्यास ने लिखी है। इस सीरीज़ में जिम सर्भ नज़र आएँगे ज़ेरक्सेस देसाई की भूमिका में जो टाइटन घड़ी कंपनी के संस्थापक थे। उनके साथ प्रमुख भूमिकाओं में नमिता दुबे, वैभव तत्त्ववादी, कावेरी सेठ, लक्ष्वीर सरन और परेश गणात्रा भी नज़र आएंगे। मेड़ इन इंडिया एक टाइटन कथा का प्रसारण अगले वर्ष की शुरूआत में अमेज़न एमएक्स प्लेयर पर किया जाएगा और सबसे अच्छी बात ये कि यह बिल्कुल निःशुल्क (फ्री) होगा! दर्शक इसे प्राइम वीडियो, फायर टीवी और एयरटेल एक्सस्ट्रीम पर देख सकेंगे। ऑलमाइटी मोशन पिक्चर द्वारा निर्मित, यह सीरीज़ नेतृत्व, नवाचार और जे.आर.डी. टाटा की कालजयी सोच को एक सजीव श्रद्धांजलि देती है एक ऐसी कथा जो हर पीढ़ी को प्रेरणा देगी। अब केवल मनोरंजन नहीं, प्रेरणा भी देखिए वह भी पूरी तरह भारतीय अंदाज़ में!

काउचर वीक

बॉलीवुड अभिनेता और शो स्टॉपर अर्जुन रामपाल सोमवार देर रात नई दिल्ली के ताज पैलेस में एफडीसीआई इंडिया कॉउचर वीक के दौरान डिज़ाइनर रोहित बल की एक कृति प्रस्तुत करने के लिए रैंप पर उतरे।

मेधा राणा 'बॉर्डर 2' में आएंगी नजर

मुंबई/एजेन्सी

'फ्राइडे नाइट प्लान', 'इश्क इन द एयर', 'डांसिंग ऑन द ग्रेव', और 'लंदन फाइल्स' में अपने दमदार अभिनय से सबकों चौंकाने वाली अभिनेत्री मेधा राणा 'बॉर्डर 2' में बॉलीवुड स्टार वरुण धवन की प्रेमिका की भूमिका निभाती नजर आएंगी। मेधा के चुनाव को लेकर निर्माता भूषण कुमार ने कहा, ''हमारे लिए किसी ऐसी अभिनेत्री को ढूंढना बेहद जरूरी था जो स्वाभाविक रूप से उस क्षेत्र की भाषा, भाव, और असली माहौल को फिल्म में सही तरीके से दिखा सके। मेधा ने अपनी काबिलियत से सबको प्रभावित किया, खासकर क्षेत्र की बोली, बोलने के तरीके, और अभिनय में भावों की गहराई ने सभी को चौंका दिया। हमें पूरा विश्वास है कि मेधा इस रोल में बिल्कुल परफेक्ट है।'' बता दें कि मेधा सैन्य परिवार से आती है। प्रोड्यूसर निधि दत्त ने कहा कि 'बॉर्डर 2' सिर्फ एक फिल्म नहीं है, बल्कि एक भावना है। इसमें गहरा एहसास और अटूट जज्बा है। मेधा को कास्ट करने के बारे में उन्होंने कहा, ''फिल्म में डायरेक्टर से लेकर सभी कलाकारों का चुनाव इस वजह से किया गया है ताकि एक ऐसी कहानी दिखाई जा सके जो सच्ची और प्रेरणादायक लगे। मेधा राणा और वरुण धवन साथ मिलकर फिल्म में एक नई ताजगी लाएंगे; यह जोड़ी कहानी को खूबसूरत बना देगी।''

फिल्म 'बॉर्डर 2' के निर्देशक अनुराग सिंह हैं और इसका निर्माण गुलशन कुमार और टी-सीरीज के बैनर तले हो रहा है। 'बॉर्डर 2' जेपी दत्ता की 1997 की ब्लॉकबस्टर 'बॉर्डर' का सीक्वल है, जो 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध पर आधारित फिल्म थी।

उसमें सनी देओल, सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ, अक्षय खन्ना, सुदेश बेरी, पुनीत इस्सर, कुलभूषण खरबंदा, तब्बू, राखी गुलजार, पूजा भट्ट और शरबानी मुखर्जी लीड रोल में थे। वहीं 'बॉर्डर 2' में सनी देओल, दिलजीत दोसांझ, वरुण धवन और अहान शेट्टी भी हैं। यह फिल्म 23 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मुझे कभी अहसास नहीं हुआ कि मैं आउट साइडर हूं : श्वेता त्रिपाठी

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री और निर्माता श्वेता त्रिपाठी ने अपनी नई प्रोडक्शन कंपनी 'बंदरफुल' शुरू करने के पीछे की प्रेरणा और फिल्म इंडस्ट्री में अपने अनुभवों को साझा किया। श्वेता ने बताया कि उन्होंने हमेशा इंडस्ट्री में अपनापन महसूस किया और अब वह दूसरों को मौका देना चाहती हैं। श्वेता ने बताया कि उन्हें यह कभी नहीं लगा कि वह इंडस्ट्री के बाहर से हैं; उन्हें यहां हमेशा अपनापन महसूस हुआ।

श्वेता ने अपनी प्रोडक्शन कंपनी शुरू करने के बारे में कहा, क्यों इंतजार करें कि कोई और कहानी को सामने लाए? बहुत सारी कहानियां और प्रतिभाशाली लोग हैं। मैं ऐसे लोगों को जानती हूं और अगर मेरे पास संसाधन हैं, तो मैं उन्हें मौका देना चाहती हूं। उन्होंने कहा कि वह अपने सफर में कई लोगों से मिलती हैं और कुछ कहानियां उन्हें बहुत प्रभावित करती हैं। श्वेता ने बताया, मैं चाहती हूं कि दुनिया भी इन्हें महसूस करे। इसलिए मैंने अपनी प्रोडक्शन कंपनी शुरू की। दूसरों पर उंगली उठाने से पहले हमें खुद से पूछना चाहिए कि हम उनके लिए क्या कर रहे हैं। 'बंदरफुल' प्रोडक्शन हाउस का उद्देश्य ऐसी कहानियों को बढ़ावा देना है जो रूढ़ियों, व्यावसायिक दबावों या सामाजिक बंधनों से मुक्त हों। श्वेता ने कहा, मुझे खुशी है कि लोगों ने मुझ पर भरोसा किया। फिल्ममेकर्स ने मेरी प्रतिभा और पैशन को देखा। अब मैं दूसरों में वह जुनून देखना चाहती हूं और उन्हें मंच देना चाहती हूं। उन्होंने कहा कि वह उन लोगों के साथ काम करना चाहती हैं जो सिनेमा और ऐसी कहानियों के प्रति जुनूनी हों जो समाज पर प्रभाव डाल सकें। इंडस्ट्री के अपने अनुभव को साझा करते हुए श्वेता ने कहा, मुझे शुरू से ही गुनीत मोंगा, अनुराग कश्यप और करण जौहर जैसे लोगों का साथ मिला।

मैंने कभी खुद को बाहरी नहीं माना। मेरे लिए यह सब भावनाओं और जुड़ाव के बारे में है, न कि जेंडर, जाति या वर्ग के बारे में। प्रोड्यूसर बनने के अनुभव को श्वेता ने एक नया सफर बताया। उन्होंने बताया, प्रोड्यूसर बनना एक सीखने की प्रक्रिया है। हर कदम मुझे कुछ नया सिखा रहा है और मैं इस सफर के लिए तैयार हूं।

RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

साउथ इंडिया गारमेन्ट एसोसिएशन (सिगा) का तीन दिवसीय 30वां सिगा गारमेन्ट फेयर-2025 का मंगलवार को उदघाटन हुआ। अतिथि के रूप में उपस्थित बेंगलूरु एफकेसीसीआई के अध्यक्ष एमजी बालकृष्णा, निदेशक पहाड़सिंह राजपुरोहित, सिगा के अध्यक्ष अनुराग सिंघला, उपाध्यक्ष नरेश लखनपाल व किशोर जैन, मंत्री राजेश चावत, सहमंत्री व फेयर चेयरमैन गोविंद मूंदड़ा, कोषाध्यक्ष तेजस मेहता सहित अन्य पदाधिकारियों ने फेयर स्थल पैलेस ग्राउंड के सभागार में दीप प्रज्वलित कर फीता काटकर इस फेयर का विधिवत उद्घाटन किया।

समत्व है तो आत्मा मोक्ष की अधिकारी बन जाती है : आचार्यश्री प्रभाकरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महालक्ष्मी लेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री प्रभाकरसूरीश्वरजी व साध्वीश्री तत्वत्रयाश्रीजी की निश्रा में मंगलवार को 22वें तीर्थंकर नेमीनाथ भगवान का जन्म व च्यवन कल्याणक महोत्सव मनाया गया। नेमिनाथ प्रभु के जन्म तथा च्यवन कल्याणक की भावपूर्ण प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में प्रभु के माता- पिता, इंद्र-इंद्राणी, नगरसेठ, महामंत्री, सेनापति, कोषाध्यक्ष, प्रियवंदना, राजज्योतिषी के पात्रों में लाभार्थी परिवार के लोगों ने भाग लिया। आचार्यश्री ने अपने प्रवचन में कहा कि भगवान नेमिनाथ का जीवन भगवान बनने के पूर्व सामान्य था, लेकिन उन्होंने जीवन को सफल बनाने के लिए तप, साधना व वैराग्य प्राप्ति के कार्य किए। नेमिनाथ का जीवन तब तेजस्वी बना। देवता भी उनका वंदन करते हैं। भगवान नेमिनाथ ने जीवन को संयमी बनाया और जीव दया की प्रेरणा दी। संतश्री ने कहा कि यदि समत्व है तो आत्मा मोक्ष की अधिकारी बन जाती है। संत किसी प्रकार के भाव के अहसास से परे होकर आत्म साधना में विलीन रहते हैं। जीवन में सुख-दुख आते रहते हैं लेकिन साधक दोनों परिस्थितियों को सम्भालते हैं। आचार्यश्री ने कहा कि परमात्मा के च्यवन, जन्म, दीक्षा, केवलज्ञान तथा निर्वाण के समय चौदह राजलोक के जीवमात्र को आनंद तथा प्रकाश की अनुभूति होती है। दुःखों की भट्टी में प्रतिपल झुलस रहे नरक के प्राणियों को भी सुख की सांस नसीब होती है। मंदिर में परमात्मा नेमिनाथ भगवान का महाअभिषेक किया गया। अभिषेक का विधिविधान धनंजय गुरु ने कराया। विजेश व टीम ने संगीत की प्रस्तुति दी। सभा में मुनिश्री महापद्मविजयजी, पद्मविजयजी, साध्वी तत्वत्रयाश्रीजी, गोयमरत्नाश्रीजी व परमप्रज्ञाश्रीजी उपस्थित थे।

धर्म पर मज़बूत श्रद्धा वाला साधक मोक्ष मार्ग पर अग्रसर होता है : डा. वरुणमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गांधीनगर गुजराती जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय उपप्रवर्तक पंकजमुनिजी की निश्रा में डॉ वरुणमुनिजी ने कहा कि श्रद्धा परम दुर्लभ है। धर्म पर जिस साधक की श्रद्धा मजबूत हो जाती है वह अपने जीवन का कल्याण करते हुए मोक्ष मार्ग की ओर अपने कदम आगे बढ़ा लेता है। मुनिश्री ने अपने प्रवचन में तेतली पुत्र के कथानक पर प्रकाश डालते हुए कहा कि धर्म की सम्यक आराधना ही जीव को शाश्वत सुख प्रदान करने वाली है। संसार के सब सुख क्षणिक और काल्पनिक स्वप्नवत हैं। आंख खुलते ही सब खत्म हो जाता है। सद्गुरु हमें जगाने आते हैं और मोक्ष का मार्ग बतलाने आते हैं। जो जागत है सो पावत है और जो सोवत है वो खोवत हैअर्थात जो संसार की मोह निद्रा से जाग जाता है वह अपने जीवन का उत्थान कर लेता है और जो संसार के क्षणिक, नाशवान भौतिक सुख विलास की चीजों में आसक्त बन कर मोह निद्रा में सोया रहता है उसका अमूल्य मानव जीवन बेकार चला जाता है।ङ्गङ्गउन्होंने कहा कि दुख, विपत्ति के समय इन्सान को या तो भगवान याद आते हैं या फिर अपनी मां और गुरु याद आते हैं। जो दुःख में घबराता नहीं है और सुख में इतराता नहीं है वही आत्मज्ञानी बन कर अपनी आत्मा का कल्याण कर सकता है।

संसार में एक मात्र संयम की आराधना ही जीव को सच्चा आत्मिक शांति, सुख प्रदान करने वाली है। अतः सच्चा सुख पाने के लिए चारित्र धर्म की ओर साधक सम्यक आराधना, पुरुषार्थ करें।यही आनन्द और सुख का राजमार्ग है। प्रारंभ में संतश्री रूपेश मुनि जी ने भजन के माध्यम से अपने विचार व्यक्त किए। उपप्रवर्तक पंकज मुनि जी ने मंगल पाठ प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन राजेश मेहता ने किया।

तप से तन और मन दोनों की शुद्धि होती है : मुनिश्री पुलकित कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ भवन गांधीनगर में चातुर्मासार्थ विराजित मुनि डॉ पुलकित कुमारजी सहवर्ती आदित्य कुमारजी ने मंगलवार को मीना देवी की तपस्या के प्रत्याख्यान के अवसर पर अपने प्रवचन में कहा कि शरीर के लिए जितना जरूरी अन्न है, उतना ही जरूरी है तपस्या करना। तप से तन और मन दोनों की शुद्धि होती है इसे धर्म शास्त्रों में दुःख मिटाने का उत्तम उपाय बताया है। धार्मिक व्यक्ति के लिए अनेक प्रकार की समाधि प्राप्ति का विधान है उनमें एक मुख्य है तप की समाधि। मुनिश्री ने विनय समाधि की भी विस्तार से विवेचना की। मुनिश्री ने कहा कि अभी सावन के महीने में जैसे बरसात की झड़ी लगती है वैसे ही श्रावक समाज में तपस्या की लड़ी लगनी चाहिए। मुनिश्री ने उपस्थित सभी श्रावक समाज को राजस्थानी भाषा में 'तपस्या रो बादलियो बरस्यो' गीत के माध्यम से तपस्या करने की सलाह दी। मुनि आदित्य कुमार जी ने तप की अनुमोदना में गीत प्रस्तुत किया। तपस्विनी मीना सुरेश दक को मुनिश्री ने जैसे ही 21 की तपस्या का प्रत्याख्यान करवाया वैसे ही तेरापंथ भवन ओम अर्हम की मंगल ध्वनि से गूंज उठा। टीना मांडोत ने नौ तपस्या का पच्चखान किया। तेरापंथ सभा की तरफ से सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली सहित अन्य पदाधिकारियों ने तपस्वियों का सम्मान किया।कार्यक्रम का संचालन मंत्री विनोद छाजेड़ ने किया।

बसवनगुड़ी में परमात्मा नेमिनाथ का जन्म कल्याणक महोत्सव मनाया गया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय जिनकुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ हेतु विराजित साध्वी हर्षपूर्णाश्रीजी की निश्रा में 22वें तीर्थंकर परमात्मा नेमिनाथ का जन्म कल्याणक महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी ने सभी को परमात्मा के जन्म कल्याणक की बधाई दी। इस अवसर पर श्री जिनकुशलसूरी जैन महिला संगीत मंडल द्वारा परमात्मा का स्नात्र महोत्सव मनाया गया। महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने बताया कि श्रद्धालुओं ने प्रभु प्रतिमा का अभिषेक किया। इस मौके पर साध्वी हर्षपूर्णाश्रीजी ने नेमप्रभु के जीवन के बारे में बताया और जीवदया प्रतिपालक व करुणानिधान के जीवन से जीवदया की प्रेरणा ग्रहण करने को कहा। प्रवक्ता अरविन्द कोठारी ने स्नात्र पूजा के महत्व पर प्रकाश डाला। स्नात्र पूजा में परमात्मा के माता-पिता बनकर अभिषेक और मंगल आरती करने का लाभ सुरेशकुमार रायचंद खिंवेसरा परिवार ने, इन्द्र इन्द्राणी बनने का लाभ संघवी शांतिदेवी पुखराज तेजराज गुलेच्छा परिवार ने, परमात्मा का मंगल दीपक और शांति कलश का लाभ शांतिदेवी चुन्नीलाल गुलेच्छा परिवार ने किया। इस अवसर पर अध्यक्ष तेजराज मालानी, पूर्व अध्यक्ष महेन्द्र कुमार रांका, कोषाध्यक्ष रणजीत ललवानी, संघवी विजयराज डोसी, मोतीलाल ललवानी, धर्मेंद्र सकलेचा, पारसमल पगारिया, पुखराज कवाड, राजेन्द्र गुलेच्छा, पंकज बाफना के साथ दादावाड़ी ट्रस्ट से जुड़ी विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

फोटो –अमित भोजक

'सिगा गारमेन्ट फेयर' में व्यापारियों ने दिखाया भरपूर उत्साह

कल तक चलने वाले इस फेयर में 150 करोड़ रुपए के व्यापार की संभावना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। साउथ इंडिया गारमेन्ट एसोसिएशन (सिगा) का तीन दिवसीय 30वां सिगा गारमेन्ट फेयर-2025 का मंगलवार को उदघाटन हुआ। अतिथि के रूप में उपस्थित बेंगलूरु एफकेसीसीआई के अध्यक्ष एमजी बालकृष्णा, निदेशक पहाड़सिंह राजपुरोहित, सिगा के अध्यक्ष अनुराग सिंघला, उपाध्यक्ष नरेश लखनपाल व किशोर जैन, मंत्री राजेश चावत, सहमंत्री व फेयर चेयरमैन गोविंद मूंदड़ा, कोषाध्यक्ष तेजस मेहता सहित अन्य पदाधिकारियों ने फेयर स्थल पैलेस ग्राउंड के सभागार में दीप प्रज्वलित कर फीता काटकर इस फेयर का विधिवत उद्घाटन किया। फेयर के पहले दिन सिगा के पदाधिकारियों ने फेयर संबंधित एक विशेष स्मारिका का भी विमोचन किया। सिगा के पदाधिकारियों के साथ कार्यकारिणी समिति के अजीत जैन, धानेश शाह, राज टेकरीवाल व सत्यनारायण एनटी और अन्य समितियों के सदस्यों ने इस वार्षिक ट्रेड शो की व्यवस्था संभाली। ङ्गउदघाटन सत्र में अतिथि एमजी बालकृष्णा ने सिगा के आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के शो बाजार को गति प्रदान करते हैं और विभिन्न व्यापारिक संस्थाओं को इस तरह की गतिविधि करते रहना चाहिए जिससे आपसी मेलमिलाप हो और बाजार में नए ट्रेंड के बारे में भी जानकारी मिले। सिगा के अध्यक्ष अनुराग सिंघला ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि फेयर में देश भर के विभिन्न नामी-गिरामी ब्रांडों ने पुरुष, महिलाओं व बच्चों के वर्ग के वैवाहिक, केजुअल, डिजाइनर, फार्मल, वेस्र्टन, विन्टरवियर, नवजात बच्चों के कपड़ों का नया कलेक्शन लेकर 70 से अधिक स्टाल लगाए गए। उन्होंने कहा कि पहले दिन से फेयर में व्यापारियों व खुदरा व्यापारियों का अच्छा रेस्पांस देखने को मिला। सिगा फेयर एक बी-टू-बी फेयर है जिसमें ऑटम व विन्टर के कलेक्शन प्रदर्शित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह फेयर कई निर्माताओं के लिए अपने नए उत्पाद प्रदर्शित करने का सबसे अच्छा माध्यम बनता है। इस वर्ष भी बड़ी संख्या में अनेक निर्माता व थोक व्यापारी अपने नए उत्पादों को प्रदर्शित कर रहे हैं, साथ ही बुकिंग के लिए नई नई स्कीम भी ला रहे हैं। सिंघला ने बताया कि इस फेयर में बुधवार को सभी व्यापारियों के लिए इंटरेक्टिव नेटवर्किंग मीट का भी आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि इस तरह के व्यापारिक मेले उद्योग को नई दिशा देने में बहुत ही कारगार सिद्ध होते हैं यही कारण है कि सिगा गत 29 वर्षों से इस तरह का वार्षिक मेला आयोजित करता आ रहा है।

फेयर के बारे में बताते हुए मंत्री राजेश चावत ने कहा कि यह वार्षिक फेयर 31 जुलाई तक आयोजित है। चावत ने सभी स्टॉल लगाने वाले व्यापारियों के प्रति धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि यह फेयर व्यापारियों द्वारा और व्यापारियों के लिए ही लगाया जाता है ताकि कपड़ा उद्योग को नए गति मिले। उन्होंने कहा कि इस वर्ष इस मेले में लगभग 150 करोड़ से अधिक की बुकिंग व व्यापार होने की संभावना है। फेयर के चेयरमैन गोविंद मूंदड़ा ने बताया कि इस वार्षिक फेयर की दक्षिण भारत ही नहीं अपितु पूरे देश में अपनी अलग पहचान है और इस तीन दिवसीय मेले में दक्षिण भारत सहित पूरे देश से व्यापारियों के आने की संभावना है। पहले दिन ही ग्राहकों की संख्या को देखकर कमेटी सदस्यों में विशेष उत्साह है। उन्होंने बताया कि फेयर में निर्माता, थोक व्यापारियों, वितरकों व खुदरा व्यापारियों के बीच आपसी व्यापारिक मेलमिलाप हो रहा है। इस बार फेयर में कपड़ा उद्योग के अलावा उद्योग संबंधित इंस्ट्रीज फोटोग्राफी, फैशन शो, सॉफ्टवेयर, एसेसिरिज, सिक्युरिटी सिस्टम, फर्नीचर आदि के भी स्टॉल लगाए गए हैं।

धर्म सेवा कर अपनी अनमोल काया का करें उपयोग : संतश्री ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ सकल जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने कहा कि संसार में सुख हैं तो दुख भी हैं। उजाला है तो अंधेरा भी है। लेकिन सुख में मनुष्य मग्न हो जाता है और दुख में विचलित होता है। ऐसा हमारा आगम कहता है कि देवता भी सुख से सुखी नहीं हैं। देवता को कुछ नहीं चाहिए लेकिन वह भी सुखी नहीं हैं। कोई नगर सेठ है तो भी अपनी लालसा की वजह से वह सुखी नहीं है। लोगों को लगता है थोड़ा और,थोड़ा और, इस कारण वह सुखी नहीं हो पाता है। सब कुछ होने के बाद भी लालसा नहीं खत्म हो रही है, इसलिए मनुष्य सुखी नहीं रह पा रहा है। लालच, लालसा ही मनुष्य के दुखी होने का मुख्य कारण है। जब तक मनुष्य इससे दूर नहीं होगा तब तक उसका जीवन सुखमय नहीं हो पाएगा। मन से, काया से जितना हो सके सेवा करें। धन नहीं होने के बावजूद भी मनुष्य दूसरों की सेवा कर सकता है। जीवन में सेवा भाव नहीं है तो मनुष्य भव बेकार हो जाएगा। आप अच्छा करते जाओ फिर अपने आप अच्छा होता जाएगा। धन से न हो सके तो काया से करो, लेकिन सेवा जरूर करो। जरूरी नहीं कि धन होने के बाद ही किसी की सेवा की जा सकती है। बिना धन के भी मनुष्य सेवा कार्य करके अपने कर्मों की निर्जरा कर सकता है।

संतश्री ने कहा कि कुछ न कर सको तो मूक प्राणियों की ही सेवा करो। वर्तमान में बातें करने वाले लोग तो बहुत हैं लेकिन काम करने वाले बहुत कम हैं। उन्होंने कहा कि हमें इतनी अनमोल काया मिली है तो अच्छे कार्य कर लेने चाहिए। दुनिया बहुत दुखकारी है, इसमें कर्मों का बंध हो रहा है। मनुष्य यहां सिर्फ भटक रहा है। ऐसे मनुष्य भव पार नहीं होगा। वर्तमान में लोग अपने बड़ों का आदर नहीं करते हैं लेकिन अपने बड़े बुजुर्गों का आदर करना चाहिए। ऐसा करने से हर बंद रास्ते खुलने लगते हैं। जैसा आज देंगे वैसा ही आने वाले समय में आपको मिलेगा। धर्म सेवा करके इस काया का सही उपयोग कर लेना चाहिए। सभा में मीठालाल कांकरिया, दिलीपकुमार मुगदिया, मदनलाल लोढ़ा औरंगाबाद, सतीश लोढ़ा अहमदनगर, रतनलाल सिसोदिया, ओमप्रकाश लुणावत, ज्ञानचंद बम्ब, बालूराम दलाल की विशेष उपस्थिति रही। सभा में अध्यक्ष प्रकाशचंद कोठारी ने सभी स्वागत किया। संचालन महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने किया।

'सम्यक दर्शन जिनशासन का सारभूत है'

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के जयनगर संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित उपप्रवर्तिनी कंचनकंवरजी के सान्निध्य में साध्वी मलयाश्रीजी ने कहा कि सम्यक दर्शन के अभाव में धर्म क्रियाएं कर्मनिर्जरा का कारण नहीं बन पाती, सिर्फ पुण्य का बंध हो सकता है। सम्यक दर्शन जिनशासन का सारभूत है। सम्यक दर्शन धर्म की प्रथम सीढ़ी है। सम्यक दर्शन मोक्षगमन का पंजीकरण है। साध्वी दिव्ययशाजी ने कहा कि संसार छोड़ने योग्य है उसे पकड़ो मत जाने दो। संसार की वृत्ति कर्मबंध में सहायक है। जिनवाणी श्रवण से संस्कृति का विकास होता है। हमें जीवन में मर्यादा का पालन करना चाहिए। संघ के अध्यक्ष दीपचन्द भंसाली ने स्वागत किया। मंत्री पदम चन्द बोहरा ने धन्यवाद दिया।

मंदिर सजावट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के चिकपेट स्थित आदिनाथ जैन मंदिर के तलघर में मूलनायक स्वरूप विराजित जैन धर्म के बाइसवें तीर्थंकर भगवान श्री नेमिनाथ के जन्म और दीक्षा कल्याणक निमित्त मंदिर में त्रिदिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। मंगलवार को सुबह अंखड जाप का शुभारंभ किया गया तथा प्रभु प्रतिमा की सजावट व गहुली बनाई गई तथा मंदिर की विशेष सजावट की गई। नेमकुमार कुन्दनमल गादिया परिवार के सौजन्य से यह विशेष सजावट की गई। विजय लब्धिसूरी जैन संगीत मंडल के सदस्यों ने स्नात्र पूजा की तथा सरगम मंडल ने संगीत की प्रस्तुति दी। शाम को संध्या भक्ति की प्रस्तुति अर्हम ग्रुप के युवाओं ने दी।

यशवंतपुर तेरापंथ भवन में नवरंगी तप अभिनंदन समारोह आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ भवन यशवंतपुर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी सोमयशाजी के सान्निध्य में भिक्षु त्रिशताब्दी जन्म वर्ष के अवसर पर नवरंगी तप करने वाले तपस्वियों को सामूहिक प्रत्याख्यान करवाए गए। साध्वी सोमयशाजी ने कहा कि दो अक्षर का एक छोटा सा शब्द 'तप' है। जिसकी शब्द संरचना जितनी लघु है उसका कार्य उतना ही महान है। भगवान महावीर ने तप को मोक्ष का एक मार्ग बताया है। अणु से भी कई गुणा अधिक शक्ति तप में होती है। तपस्या से जन्म-जन्म के कर्म क्षीण हो जाते हैं। नवरंगी में भाग लेने वाले सभी तपस्वियों ने आत्मबल, मनोबल, गुरुबल से तप में चार चांद लगाए हैं। तप एक प्रकार की औषध है। अनेकों रोगों का उपचार तप द्वारा होता है। तप से शारीरिक, मानसिक भावनात्मक एवं आध्यात्मिक सिद्धियां और शक्तियां जागृत होती हैं। साध्वी डा सरलयशाजी ने तप को एक ब्रह्मास्त्र की संज्ञा दी। साध्वी ऋषिप्रभाजी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए तप के महत्व पर प्रकाश डाला। साध्वीवृंद द्वारा तप की अनुमोदना में गीत गाया। ङ्गअध्यक्ष सुरेश बरड़िया ने साध्वीश्री के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। पूर्व अध्यक्ष गौतम मुथा ने कहा, साध्वीश्री के अथक प्रयास एवं प्रेरणा से यशवन्तपुर में तप का उत्सव मनाया जा रहा है।

पूर्व अध्यक्ष प्रकाश बाबेल ने कहा कि चातुर्मास में चारित्रात्माओं के विराजने से भवन में धार्मिक क्रियाएं सुचारु रूप से होती हैं।महिला मंडल की सहमंत्री प्रीति मुथा ने सभी तपस्वियों के तप की अनुमोदना की। सुरेश दक, युवक परिषद के अध्यक्ष धर्मेश डूंगरवाल एवं सभा के मंत्री अनिल दक ने भी तपस्वियों को मंगलकामनाएं दी।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com